श्रीगणेशाय नमः॥

अथ छन्दोर्णवपिङ्गल।

त्रिभङ्गीछन्द॥

करिवदनविमंडितओजअखंडित पूरणपंडितज्ञानपरं।गिरिनन्दिनिनन्दनअसुरनिकन्दनसुरउरचंदनकीर्त्तिकरं।भूषणभृगलक्षणवीरविचक्षणजनप्रणरक्षणपाशधरं।जयजयगणनाथकखलगणघायकदासमहायकविघनहरं१॥ दण्डकछन्द॥ एकरदहैनशुभ्रशाखाबढ़िआईलंबोदरमेंबिबेकतरुजोहैशुभ्रवेशको। शुंडादंडकैतबहथ्यारुहैउदंडयहराखतनलेशअघबिघनअशेशको। मदकहौभूलिनभ्रूरतसुधासारयहध्यानहींतेहिकोदढ़हरणकलेशको। दासयहनिजनबिचारोतिहूंतापनिकोदूरकरनेकोबारोकरणगणेशको२॥ छप्पै॥ श्रीविनतासुतदेखिपरमपटुताजिन्हकीन्हेउ। छन्दभेदप्रस्तारवरणिञातनिमनलीन्हेउ। नष्टोद्दिष्टनिआदिरीतिबहुबिधिजिनभाख्यो। जैबोचलतजनायप्रथमबाचापनराख्यो। जोछन्दभुजंगप्रयातकहिजातभयोजहँथलअभय। तिहिपिंगलनागनरेशकीसदाजयतिजैजैतिजय३॥ दोहा॥ जिनप्रकट्योजगमेंबिबिधछन्दनामअभिराम॥ ताहिविष्णुरथकोकरोंबिबिकरजोरिप्रणाम४॥ कवित्त॥ अभिलाषाकरीसदाऐसनिकाहो

यभ्रितथंसबठौरद्विनसत्रयाहीसेवाल्वरणाचानि । लोभ्राल
ईनीप्रेझानहलाहुखहीकोअंशु अंतहैक्रिथापत्राहीनिद्वार
सहीकोखात्ति । सेनापतिदेवीकिरशोभागवतीकोभूपपन्ना
मोतीहीराहेमसौदाहांसहीकोजाति । हीथपरदेवपरिवदैश
शरटैनाउँखगासनलगधरसीतानाथकोलापालि ५ ॥ दोहा ॥
थाकोविल अंतरबरणलैलुकंतहैक्रंडि । दासनामकुलग्राम
कहिनामभगतिरससांडि ६ प्राकृतभाषासंस्कृतलखिबहु
छन्दोग्रंथ । दासकियोछन्दोरणवभाषारचिशुभपंथ ७ ॥
त्रिभया ॥ दासगुरुलघुगोदहदहगनाथलिभेदनिउच्चारिजा
नै । जानैगनागलकोफलमत्तवरंलपथारनिकोकरिजानै । न
ष्टउद्दिष्टरुमेरुपताकाभ्रिमकोटिसूचिनकोभारिजानै । वृत्ति
औजातिसमुक्तकदण्डकछन्दमहोदधिसोतरिजानै ८ ॥

इति श्रीदासकृतेछन्दोर्णवेमंगलाचरण
वर्णननामप्रथमस्तरंगः १ ॥

अथ गुरुलघुविचार ॥

दंडक ॥ ई ऊ आ ये आदि स्वर वरणमिले हूएहू विंद
युक्त औ संयुक्तपरगुरु बंकखांचि । अ इ उ क कि कु ऐसे
घु सूधे बिधि कीन्होकहाति अक्षरनिजोरसना बुताहि ना
चि । रहलये संयुक्त बरणन्हपरेनमानिनितयैगुरुलहुलहै
गुरुकोगुरुवैबांचि । एकमत्तलहुभनिगुरुकोदुमत्तगानिया
हीमेंउदाहरण हेरिले हृदयमें यांचि १ ॥ प्राकृतेयथा ॥ अ
रे रेवाहहिकान्हनावछोटि डगमगकुगतिनदेहि । तैइथनै
संतारिदे जोचाहहि सोलेहि २ ॥ दोहा ॥ कहुंकहुं सुकवि
तुकंतमें लघुकोगुरुगनिलेत ॥ गुरुहूकोलघुगनतहैं स

सुभनसुमतिसचेत ३॥ गुरुकोलघुयथा॥ संस्कृते श्लोक॥ अद्यापिनोज्झतिहरःकिलकालकूटं कूर्म्मोविभर्त्तिधरणीं खलुपृष्ठकेन॥ अंभोनिधिर्वहतिदुःसहवाडवाग्निमंगीकृतंसुकृतिनः परिपालयंति ४ छन्दबसंततिलकहै या के तुकमें गुरु चाहिये लघु है गुरुगनिबो॥ लघुकोगुरुयथादेव को॥ कवित्त॥ पीछेपंखाचँवरखवारीज्योंकीत्योंसुगंधवारीठाढ़ीबायेंघायेंघनफूलनिकेहारगहे। दाहिनेअतरऔरअमरतमोरैलीन्हेसामुहेलपेटेलाजभोजनकेथारगहे। नितंकेनियमहितूहितकेविसारेदेवचित्तकेबिसारे बिसरायेसबबारिपहे। संपाघनबीचऐसीचम्पावनबीचफूलीडारिसीकुवँरिकुंमिलातिफूलीडारगहे ५॥ तिलक॥ छन्दरूपघनाक्षरीहैयाकेतुकंतमेंलघुचाहियेगुरुहै सोलघुहीगनिबो॥ लघुनाम॥ दोहा॥ शंखमेरुकाहलकुसुमकरतलदण्डअशेख॥ शब्दगंधबरसरपरसनामललहुकोदेख ६॥ गुरुनाम॥ किंकिनिनूपुरहारफनिकनकचौंरताटंक। कोऊरोकुण्डलबलयगोमानसगुरुबंक ७॥ दुकलनाम॥ नगनदुकलहैभेदसोप्रथमनामगुरुजानि। निजप्रियसप्रियपरमप्रियपियबियलघुहिबखानि ८॥ऽ०॥ आदिलघुत्रिकलनाम॥तोमरतुंमरपत्तसरधुनचिरुचिह्नचिराल। पवनबलटपटआदिलघुत्रिकलनूतकीमाल ९।ऽ।०॥ आदिगुरुत्रिकलनाम॥ तूरसमुदनिर्बानकरतालोसुरपतिनन्द। नामआदिगुरुत्रिकलकोपटहतालअतचन्द १०॥ त्रिकलनाम॥ नारीरसकुलभामिनीतंडवभासप्रमान॥ नामत्रिलघुकोजानिपुनित्रिकलहिटगनबखान ११ऽऽ०॥ दुइगुरुनाम॥ सुनतिरसिकरसनागपुनि कहिमनहरणसमान॥ कुन्तीपूतासु

रबलयकरनदोइगुरुजान १२ ꠰ऽ० ॥ अन्तगुरुचौकलनाम ॥ कमलालनकरबाहुभुजभुजअभरणअभिराम ॥ गजअभरणप्रहरणअसनिचकलअंतगुरुनाम १३ । ऽ । भूपति गजपतिअश्वपतिनायकपौनमुरारि ॥ चक्रवतीसुपयोधरो मध्यगुरूकलचारि १४।ऽ। गंडदहनबलभद्रपद नूपुरजंघापाइ । तातपितामहआदिगुरु चौकलनामसुभाइ १५ ॥। ॥। विप्रपंचसरपरमपद शिखरचारिलघुजाति । डगनचकलकहिचौकलहिंगजरथतुरँगपदाति १६॥।०॥ पंचकलनाम ॥ ०।ऽऽ सुरनरिन्दउडपतिअहित दंतीदंतत लंप । मेघगगनगजआदिलघुपंचकलहिकहिझंप १७ ऽ।ऽ पक्षिबिड़ालमृगेन्द्रअहि अमृतजोधलकलक्ष । बीनगरुड़कहिमध्यलघु पंचकलहिपरतक्ष १८॥ पंचकलकक्रमतेनाम ॥ इन्द्रासनबीरोधनुष हीरोशेखरफूल । अहिपाइकगनिक्रमहिते नामपंचकलतूल १९ ॥ ठगनपकलपँचकलहिंकहिठगनषटकलहिलेखि । ताहिछकलकेक्रमहिंतेभेदतेरहोदेखि २० ॥ षटकलकेनामप्रतिभेदक्रमते ॥ हरशशिसूरजशक्रअरु शेषोअहिकमलाखि । ब्रह्मकिंकिणीबंधुध्रुवधर्म्मशालिचरभाखि २१ ॥ अथवर्णगन ॥ म न य भ गण शुभचारिहैं र स ज त अगुनोचारि । मनुजकवितके प्रथमतुक कीजैइन्हैं बिचारि २२ ॥ मतिगुरुनतिलघुभादिगुरु यादिलघूशुभदानि । महि अहि शशि जलक्रमहिते इष्टदेवताजानि २३॥ ज गुरुमध्य रो मध्य लघु स गुरुअंततलअंत । इतेअशुभगणरबिअगिनि पवनखदेवकहंत २४ ॥ त्रिगुणबिचार ॥ मनहित यभजन ज-तहिउद रसारिपुउरअवरेखि । कवितआदिकुगणहिंरपे

द्विगुणविचारहिदेखि २५ जनहितअतिनीकेतकहुरिपु उदासमिलिमन्द। रिपुउदासहीजोपरै तौसबभांतिकुव न्द २६॥ इति श्रीदासकृते छन्दोर्णवे गुरुलघुगणागणवर्णनोनामद्वितीयस्तरंगः २॥

अथ मात्राप्रस्तारवर्णनम्॥

सप्तकलप्रस्तार ॥ सवैया ॥ द्वै द्वै कलानिकोबंधबनैपहिले उबरेलघुआदिकरोजू। भेदबढैबेकोशीशकेआदिगुरू केतरेलघुएकधरोजू। औरयथाप्रतिपंक्तिखचैबचेपीछे गुरुलघुलेखिभरोजू। याहीबिधानतेसर्वलघूलगिपूरण मत्तपथारथरोजू १॥ प्राकृतेयथा॥ पढमगुरुहेट्ठट्ठाणेलहुआ परिठवेहु। अपबुद्धियेसरिसासरिसापंतीउधरियागुरु लघूदेहु २॥ दोहा॥ भयोजानिप्रस्तारको क्रमसोंदीजे अंक॥ संख्यातष्टउदिष्टकीकीजैउदरनिशंक३ इतनेकल केभेदहैंकितनोपूछैकोइ॥ पूर्वयुगलसरिअंकदैजानैसं ख्याहोइ ४॥ पूर्वयुगलअंक॥ दंडक॥ जैकलकोभेदकोऊपूछै तेतीकलाकीजैताकेपरअंकदीजैक्रमहीतेएकदोइ। एक दोयजोरितीन लिखिलीजे तीजेपरतीनिदोइजोरिआगे लैचलिलिखिजियजोइ। दशपांचपीछेतीनिजोरिआगेआ ठलिखि याहीविधिलिखेजैयेकहांलौंबतावैकोइ। जितनी कलाकेपरजेतोअंकपरैयह जानिलीजैतेतपरप्रस्तारको अन्तहोइ५ सप्तकलरूपेयथा॥ १ २ ३ ५ ८ १३ २१ ॥अथनष्टलक्षणं॥ दोहा॥ इतिअंकपरहोतहैभेदकहोकेहिरूप॥ उत्तरहेतयहिप्रश्न केनष्टरच्योअहिभूप ६॥ अथमात्रानष्टकीअनुक्रमणी॥ दण्डक॥ जैकलमेंभेदपूछैतेतनीयेकलाकीजैतापैलिखिपरबयगल

अंकलीजिये । पूछ्यो अंक अन्तमें घटाइ बाकी हाथ राखि तामें लिखे अंक नि घटै वेरस भी जिये । जौन यामें घटै करो ताके तर आगिली कला लै गुरु दास बचै यों ही फेरि कीजिये । रीते पस्यो बीते नष्टकर्म बाकी लघु ही है पूछ्यो जिन तिनको देखाइ रूप दीजिये ७ ॥ अस्यतिलकं ॥ काहू पूछ्यो सप्तकलमें दशयों रूप कैसो ताके प्रश्नको अंक दश सो इक्कीससे घट्यो बाकी रहे ग्यारह तामें तेरह नहीं घटै तौ आठ घट्यो सो तेरहकी तरकी कला लैके गुरु भयो बाकी रहे तीनि तामें तीनि ही घट्यो सो पांचके तरकी कलाको लैके गुरु भयो और रस दुहूं ओर लघु ही रह्यो ऽऽ।० ॥ अथमात्राउद्दिष्टलक्षणं ॥ कुण्डलिया ॥ कहिये केते अंक पर दास रूप यहि साज । करि उदिष्ट ताको उतर देन कह्यो अहिराज ॥ देन कह्यो अहिराज पूर्व जु अलंक कलनि पर । लघुके शीशहि शीश गुरुके ऊपर हू तर ॥ पुनि गुरु शिरको अंक जोरि कै ठीक हि गहिये । अंत अंक सुघटाइ बचै बाकी सो कहिये ८ ॥ १ २ ३ ८ २१ । । ऽ ऽ । ५ १३ ॥ अस्यतिलकं ॥ सप्त कलमें यह रूप लिखि पूछ्यो जो कौनसो है । ताके पर अंक दियो है गुरुके शिर तीनि औ आठ पस्यो सो ग्यारह इक्कीसमें घट्यो बाकी दशयो भेद है ॥ अथमात्रामेरुलक्षण ॥ दोहा ॥ कितेएक गुरुयुक्त हैं किते हैं ति गुरुयुक्त । ताको उत्तर मेरु करि देहु अहीपति उक्त ९ ॥ अनुक्रमेणी ॥ चौपाई ॥ द्वै कोठा दोहरो लिखि लीजै ।

।ऽऽऽ	१
।।।ऽऽ	३
ऽऽ।ऽ	४
।।ऽ।ऽ	५
।ऽ।।ऽ	६
ऽ।।।ऽ	७
।।।।।ऽ	८
ऽऽऽ।	९
।।ऽऽ।	१०
।ऽ।ऽ।	११
ऽ।।ऽ।	१२
।।।।ऽ।	१३
।ऽऽ।।	१४
ऽ।ऽ।।	१५
।।।ऽ।।	१६
ऽऽ।।।	१७
।।ऽ।।।	१८

।ऽ।।।।	१९
ऽ।।।।।	२०
।।।।।।	२१

तातरदोहरोतीनठबीजै॥तातरदोहरोचारिबनायो।औजितचाहोतितोबढ़ायो १० कोठनिआदिबिषमजोपैये। एकैएकआंक लिखिजैये ॥ समकोठनिकी आदि जोपरो । द्वौतिचारि यहिक्रमतेभरो ११ पंक्तिअन्त इकइकलिखिआवो । तब रीतनभरिबोचितलावो ॥ शिरअंके तेसुशिरपरअंके।जोरिभरहुक्रमतेनिरशंके १२ पहिलोकोठदुकलकीजानै। द्वितियत्रिकलकीबातबखानै ॥ यहिविधिकरै भेदसबजाहिर। चहहुतो जाहुअंकदैबाहिर ॥ छठयेंचारिकोष्ठ जोपरै। सप्तकलहिउलटैउद्धरै ॥ सब लहुएकएकगुरुछहै । दशदुगचारित्रिगुरुयुतरहै १३ सबलहुअंतअकेअहिउक्त। चलिगति बामकहोगुरुयुक्त ॥ यहिविधिकरीजितेकोचह्यो। सकल जोरिसंख्याहूगहो १४ ॥ पताका ॥ दोहा ॥ कह्योजिते गुरुयुक्त तुम तेहैंकिहिकिहिठौर। उतरहेतइहिप्रश्नकेरचेपताका डोर १५ ॥ पताकाकी अनुक्रमणी ॥ जैकलकीपताकजियलायो । खण्डमेरुताकोअलगायो ॥ ताहीसंख्याकोठाकरिये। नामपताकापांतीखरिये ॥ अरिल ॥ पुरुबजुअलसरिअंक भिन्नलिखिदेखिये। अन्तअंकइतअन्तकोठतेहिरेखिये ॥ तामहिंक्रमतेइकइकअङ्कघटाइये । वाढिगअधतेदुतिय प्रतिलिखिजाइये ॥ तृतियपंक्तिमें द्वै द्वै जोरिकमीकरो। चौथेपंक्तिमेंतीनितीनिचितमेंधरो ॥ इनभांतिन प्रतिपंक्तिएकबढ़िअंकजू। घटैपताकारूपलिखोनिरशंकजू १६

षष्ठमात्रामेरु

	१	१	
	२	१	
	१	३	१
	३	४	१
१	६	५	१
४	१०	६	१

दो० ॥ गणनाहोइनहीनक्रम आयो अङ्कन आउ । करिप
ताकप्रस्तारमेंसबगुरुयुक्तदेखाउ १७ द्वैकितीनिगुरुयुत
पताकाप्रस्तार ॥

।।।ऽऽ ३
।।ऽ।ऽ ५
।ऽ।।ऽ ६
ऽ।।।ऽ ७
।।ऽऽ। १०
।ऽ।ऽ। ११
ऽ।।ऽ। १२
।ऽऽ।। १४
ऽ।ऽ।। १५
ऽऽ।।। १७

४		१०		६	१
०	१	३	८	२१	०
	२	५		१३	१
	४	६		१६	२
	९	७		१८	३
		१०		१९	५
		११		२०	८
		१२			१३
		१४			२१
		१५			
		१७			

निजोलिखोचहोइकठौर । सिखिपताकप्रस्तारविधिजा
नाओरोऔर १८ ॥कुण्डलिया॥ सबलघुसबगुरुलिखिठयो
प्रथमभेदइहिभांति। पहिलेगुरुतरलघुकरहिपुनिकरिस
रिसैपांति॥ पुनिकरिसरिसैपांतिउलटिलघुतरगुरुलिखि
कैतजिआयोगुरुआदिदासइहिरीतिहिसिखिकै ॥ इकइ
कगुरुइहिभांतिआदिदिशिलयावहितबलहु। जबलगिस
बगुरुआदिपरैआगेकरिसबलहु १९ सप्तकलमेंद्वैगुरुयु
क्तकोप्रस्तारजाकीसंख्यापताकाकेदशकोठेमेंहै॥ दोहा ॥

पताकाहिकोदेखिकैयामेंदीजैअंक। उद्दिष्टोप्रस्तारमका जैसहीनिशंक२०॥इतिपताकाप्रस्तार॥ अथमर्कटीलक्षण ॥गीतिका॥ य हपंक्तिकोठनिखैंचिकैप्रतिपंक्तिकोचितुदीजिये। तहँवृत्ति भेदरुमात्रवर्णसोलघुगुरूलिखिलीजिये॥ तिनआदिको ठनिएकएकनिठानिगुरुढिगसूनहै। पुनिवृत्तिकोठदुआ दिगनतीभरीघटियनऊनहै २१ लखिभेदपंक्तिविचारि भरियेपूर्वजुअलैअंकही। करिवृत्तिभेदहिगुननपुरवहु मात्रपंक्तिनिशंकही॥ लघुपंक्तिएकजुअंकसोगुरुपंक्तिमें लिखिलहुजू। तेहिमात्रपंक्तिघटाइबाकीबर्णमेंधरिदेहु जू॥ सोइबर्णपंक्तिहुमेंघटैलघुपंक्तिमेंलिखिआनिये। ते हिआनिकैगुरुपंक्तिमेंघटनावहीफिरिठानिये॥ प्रस्तार प्रति जो भेदमात्रा लघुगुरूकी ठीकहै। तेहिवृत्तिकोठनि संगमर्कटजाल कहत अलीकहै२२॥ मर्कटीजाल॥ दोहा॥ किते भेदलघुअंत है किते

वृत्ति	१	२	३	४	५	६
भेद	१	२	३	५	८	१३
मात्रा	१	४	९	२०	४०	७८
वर्ण	१	३	७	१५	३०	५८
लघु	१	२	५	१०	२०	३८
गुरु	०	१	२	५	१०	२०

भेदगुरुअन्त। इहिपूछेप्रस्तारमें सूचीबरणैंसन्त २३ जितेअंकपरअन्त है तापाछेलघुअन्त। तापाछेकोअ न्तलहि गुरुअन्तहिकहितन्त २४॥ इति श्रीदासकृते छन्दोर्णवेमात्राप्रस्तारे नष्टउद्दिष्टमेरुमर्कटीपताकासूची वर्णननामतृतीयस्तरंगः ३॥

दोहा ॥ जितनेमात्रा भेदमें प्रस्तारहिपरकार। तिन नोंवर्णहुमेंकियो अहिनायकबिस्तार १ ॥ अथवर्णप्रस्तारको अनुक्रमणी ॥ विजया ॥ आदिकोभेदसबैगुरुकैपुनिभेदबढ़ैबे किरीतिरचै। आदिगुरूकेतरेलिखिकैलघु आगेयथाप्र तिपंक्तिखचै॥ पाछेगुरूहिसोपूरणवर्णकसर्वलघूलगियों हींनचै॥ ऐसेपथारुकैदाइसोदूनोईदूनोकेवर्णकीसंख्या सचै २ ॥ अथवर्णसंख्यायथा ॥ २४८१६३२ SSSSS ॥ इतिपंचवर्णसंख्या ॥ अथनष्ट लक्षण ॥ दोहा ॥ पूछेअंकहिअर्धकरिसमआयेलघुजानि। विषमेंइकदैअर्धकरिगुरुलिखिपूरणठानि ३ पन्द्रहोंभेद पूछ्यो सोपन्द्रहआधोनहींकैसक्का एकमिलाइसोरहका आधोकियाएकगुरुलिख्यो बाकीरहेआठ ताकोआधो चारिपूरेपरयो लघुलिख्यो दोइकोआधोएकपूरेपरयोल घुलिख्योएकमेंएकमिलाइ आधोकियोगुरुलिख्यो ॥ S ॥।S॥सबमिलाइ ॥ अथवर्णउद्दिष्टलक्षण दोहा॥लिखिपूछेपरएकवे दूनदूनलिखिलेहि। लघुशिरअंकनिजोरिकैएकमिलैक हिदेहि ४ ॥ ४८१६ SIIS ॥ अथवर्णमेरुलक्षण ॥ कुण्डलियां ॥ शिरपर कोठादोइतल तीनितासुतलचारि। अक्षरमेरुबढ़ाइयों जलप्रस्तारनिहारि ॥ जतप्रस्तारनिहारिपांतिकीआदि हुअन्तहु। एकएकलिखिजाहुकह्योपन्नगभगवन्तहु ॥ गनिदैहैगुरुयुक्तसकलजियकरहुनखरको। सूनेकोठनि भरहुजोरिद्वैद्वैशिरपरको ५ ॥ अथवर्णपताकालक्षण ॥ दोहा ॥ कोष्ठपताकाकोकरहिखण्डमेरुकीसाखि। ताकेशिरधर एकते दूनोदूनोराखि ६ ॥ दण्डक ॥ दूनोअंकराखिखरी पांतिनालिखनलागेएकद्वैलैतीनितीनिद्वैलैपांचरेखिये। याहीक्रम उपजित अंकनिसोंआगे आगेजोरि जोरिखरी

		१	१	१			
		१	२	१	२		
	१	३	३	१	३		
	१	४	६	४	१	४	
१	५	१०	१०	५	१	५	
१	६	१५	२०	१५	६	१	६

पांति लिखि नविशेखिये॥ एकपांतिभरि दूजीपांतिवहै रीतिकरि आयोअंकछोड़ि ताकेआगे ढूँढ़िलेखिये। क्रमटूटेएकैभलोचलतहिआगेढूँढ़ि दासऐसे बरणपताकापूरेपेखिये ७ ॥ दोहा ॥ बरणमत्तकोएकही हैपताकप्रस्तार। वाहीरूपनिपरधरोयाकोनामउदार ८

अथवर्णमर्कटीलक्षण ॥ दण्डक ॥ षट्पांतिलिखिपहलीयेगनती येभरो दूजीपांतिद्वैतेदूनोदूनो अंकधरिदेहु । दुहुन सों

पंचवर्णपताका ॥

१	५	१०	१०	५	१	।।।SS	८
						।।S।S	१२
१	२	४	८	१६	३२	।S।।S	१४
	३	६	१२	२४		S।।।S	१५
	५	७	१४	२८		।।SS।	२०
	९	१०	१५	३०		।S।S।	२२
	१७	११	२०	३१		S।।S।	२३
		१३	२२			।SS।।	२६
		१८	२३			S।S।।	२७
		१९	२६			SS।।।	२९
		२१	२७				
		२५	२९				

पंचकलमें द्वैगुरुयुक्तको प्रस्तार॥

गुनिगुनिचौथीपांतिभरिताको आधो आधो पांचीछठी

वृत्ति	१	२	३	४	५	६
भेद	१	२	३	५	८	१३
मात्रा	१	४	९	२०	४०	७८
वर्ण	१	३	७	१५	३०	५८
लघु	१	२	५	१०	२०	३८
गुरु	०	१	२	५	१०	२०

पांतिनको भरि देहु॥ चौथीपांचीपांतिनके अङ्कनकोजोरिजोरि तीजी पांति रीतीहोय पूरण वहै करि देहु।

वृत्तिभेदमात्रवरणलघुगुरुपूछैदास ताकेआगेवरणमरकटीयेधरिदेहु९॥ दोहा ॥ जिते भेदपरअन्तहै ताआधो गुरुअन्त । तितनाईलघुअन्तहैअक्षरसूचीसन्त १० नष्टउदिष्टपताकहै मत्ताहूकीभांति । समुझिलीजिये सुमतिसजि अक्षरसंख्यापांति ११ ॥ इतिश्रीदासकृते छन्दोर्णवे नष्टउद्दिष्टमेरुमर्कटीपताकासूचीवर्णनंनामचतुर्थस्तरंगः ४ ॥

दोहा ॥ चारिचरण चहुँकेवरणमत्तहोहिंयकरूप । वृत्त छन्दतेहिलगिरच्यो प्रस्तारनिअहिभूप १ यदपिवर्ण प्रस्तारमेंसकलवृत्तिकोबोध। तदपिमत्तप्रस्तारहूसकल मिलैअविरोध २ ॥ छप्पै ॥ मत्तछन्दकीरीतिदासबहुभांतिप्रकासै । आदिअन्तकलदुकलबढ़ैदूजोनाहिंभासै ॥ चारयोतुकसमकलनिपरहियहनेमनिवाहिय । कहुँगुरुथलहैलघुदियहुनहिंभ्रमगतिचाहिय ॥ बिनगनेहोत पूरणकलाजातिगतिकविबाणीहवस । यहजानिनागनायकक्ह्योजिहाजानैछन्दरस ३ ॥दोहा ॥ दुकलतिकल

चौकलयकल छकलनिरखिप्रस्तार। क्रमतेबरणतदास तहँ वृत्तिछन्दविस्तार ४ मत्तछन्दमेंत्यौंतिहू दरशावतनइहिहेत। बहुछन्दनकीगतिमिले एकसुकविगनिलेत ५ नेमगह्योयहदासकरि हरिहरगुरुहिप्रणाम। उदाहरणकेअन्तमें परैछन्दकोनाम ६ द्वैकलकेद्वैभेदमें जानोश्रीमधुछन्द। महीसारअरुकमलये तीनित्रिकलकेछन्द ७॥ श्रीछन्द ॥ जैहैश्रीकी ॥ मधुछन्द ॥ तियजियबंधुमधु ८ ॥ महीछन्द ॥ रमासमानहींमहीं ॥ सारछन्द ॥ ऐनिनैनिचारुसारु ॥ कमलछन्द ॥ चरणबरणअमलकमल ९ ॥ अथचारिमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ चारिमत्तप्रस्तारमें पांचवृत्तिनिरधारि। कामारमनिनरिन्दअरु मन्दरहरिहिविचारि १० कामाछन्द ॥ रामैनामैयामैकामै ११ ॥ रमणीछन्द ॥ धरणीबरणीरमणीरमनो १२ ॥ नरिन्दछन्द ॥ सम्हारुसवारुपरिन्दुनरिन्द १३ ॥ मन्दरछन्द ॥ ध्यावतल्यावतचन्दरमन्दर १४ ॥ हरिछन्द ॥ जगमहिंसुखनहिंभ्रमतजिहरिभजि १५ ॥ पंचमात्राप्रस्तारकेछन्द ॥ सोरठा ॥ पञ्चमत्तप्रस्तार आठभेदयुतहरिप्रिया। तरणजारुपंचारवीरबुद्धिनिशियमकशशि १६ ॥शशिछन्द॥महींमेंसहींसेंयशीलेशशीसे १७ प्रियाछन्द ॥ हैखरीपत्थरीतोहिंयारीप्रिया १८ ॥तरणिजाछन्द ॥ उरधरोपुरुषसोबरणिजातरणिजा १९ ॥ पंचालछन्द ॥ नाचतगावतदैतालपञ्चाल २० ॥ वीरछन्द ॥ हरुपीरअरुभीरवरधीररघुवीर २१ ॥ बुद्धिछन्द ॥ अमैतजिहरैभजि करैसुद्धिधरैबुद्धि २२ ॥ निशिछन्द ॥ सुख्यलहिदुख्यदहि भानिरिसियाहिनिशि २३ ॥ यमकछन्द ॥ श्रुतिकहहिहरिजनहिंडुवतनाहिंयमकबाहिं २४ ॥ छमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥

तालीरमानगन्निका जानिकलाकरताहि । मुद्राधारी वाक्यअरु कृष्णनायकोचाहि २५ हरअरुविष्णुमदन गनो अधिकोहोननमित्त । षटकलतेरहभेदके प्रकट तेरहोवृत्त २६ ॥ तालीछन्द ॥ नचैहैशम्भूपैवेतालीदैताली २७ ॥ रमाछन्द ॥ जगमाहींसुखनाहींनजिकामैभजिशामै २८ ॥ नगानिकाछन्द ॥ प्रसिद्धहोंअघन्निकानसिद्धहोंनग न्निका २९ ॥ कलाछन्द ॥ धीरगहोआजुलहोनन्दलल। कामकला ३० ॥ करताछन्द ॥ महिधरताजगभरतादुख हरतासुखकरता ३१ ॥ मुद्राछन्द ॥ भजैरामसरैकामन छापाहिनमुद्राहि ३२ ॥ धारीछन्द ॥ दानवारिचित्तधारि पापभ्कारिकोशधारि ३३ ॥ वाक्यछन्द ॥ जगतनाथगहत हाथशरणताक्यकहतवाक्य ३४ ॥ कृष्णछन्द ॥ छांड़ैहठ एरेशठतृष्णैनजिकृष्णैभजि ३५ ॥ नायकछन्द ॥ सुखका रनदुखटारनसबलायकरघुनायक ३६ ॥ हरछन्द ॥ जग जननिदुखीजननिकृपाकरहिव्यथाहराहि३७॥ विष्णुछन्द ॥ दासजगतभूठलगतयाहितजहिविष्णुभजहि ३८ ॥ मदनकछन्द ॥ तरुणिचरणअरुणवरणहृदयहरणमदनक रण ३९ ॥ सातमात्राप्रस्तारकेछन्द ॥ दोहा ॥ सातमत्तप्रस्तारको शुभगतिजानोछन्द । वृतियकीसप्रस्तारहै चारिभांति गतिछन्द ४० ॥ शुभगतिछन्द ॥ कृपासिन्धोदीनबन्धोसर्व सुरपतिदेहिशुभगति ४१ ॥ पुनःप्रभाविशाल ॥ लालगोपाल यशुमतिनन्दआनँदकन्द ४२ ॥ पुनः ॥ खलैघायकसर्व लायककंसमारणजनउधारण ४३ ॥ पुनः ॥ दुखकोहरो सुखविस्तरोबाधाकदनकरुणासदन ४४॥ आठमात्राकेछन्द । दोहा ॥ आठमत्तप्रस्तारकेतिनादिकउनमानि । सहित

हंसमधुभारगतिचौंतिसवृत्तिबखानि ४५ ॥ लक्षणप्रतिदल ॥
कर्नौकर्नौ।तिर्नौबर्नौ॥ भागनुकरना। हंसवरंना ॥ नयहि
प्रशंसा।कहिचोवंसा॥द्विजबरभासन।कहतसवासन ॥ न
गननगवती।कहियमधुमती ४६॥ तिर्नाछन्द॥धर्मज्ञाता॥नि
र्भयदाता॥तृष्णाहिन्नो।जीवैतिन्नो ४७ ॥हंसछन्द ॥ पोखर
जोऊदीहकितोऊ॥जातनकेहू।हंसलटेहू ४८॥चौवंसाछन्द ॥
उपजेपुत्ता। सुलगनजुत्ता॥ जगअवतंसा॥चरचउवंसा॥
४९ ॥ सवासनछन्द॥ सुनहुवलाहक।हुजियतनाहक॥ वरषि
हुतासन।अपयशवासन ५० ॥ मधुमतीछन्द॥ तपनिकस
तहो।धरिकवशिरहो॥ विमलवनलती।सुरभिमधुमती॥
५१ ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥बिप्रजगनकरहंतहैंवाहीगतिमधुभा
र। छविविपंचजतिजानिये आठमत्तप्रस्तार ५२ ॥ कर
हंतछन्द ॥ यशुमतिकिशोर। शशिजिमिचकोर ॥ ममसुख
लखन्त। यकटकरहन्त ॥ मधुभारछन्द ॥ दक्षिणसमीर।
अतिकृशशरीर॥ हुअमन्दभाइ। मधुभारपाइ५३ ॥छवि
छन्द॥ मिलिहिकिमिमोर । तकतशशिओर ॥ थकित
सोविशेखि। बदनछविदेखि ५४ ॥ अथनौमात्राकेछन्द॥दोहा ॥
नौमत्ताकीअमितगतिपचपनवित्तबिचारि । कर्णपगन
हारीगनोतसबसुमतीनिहारि ५५ ॥ हारी छन्द ॥ तोमा
नुभारी। ठानेपियारी ॥ सोतैसुखारी। होतीमहारी ५६
वसुमती छन्द ॥ सोशुभ्रशशि नो । जोदानअसिसो ॥ सा
जैबसुमती । सारीबसुमती ५७ ॥ अथ दशमात्रा के छन्द ॥
दोहा ॥ दशमत्ताकेछन्दमें वृत्तनवासीहोय । संमोहादि
कगतिनसँग वरणतहैंसबकोय ५८ ॥ सोरठा ॥ संमोहा
गुरुपांच कहिकुमारललितानसँग। लयगनमध्यावांच

तुंगाद्विजसँगभासगहु ५९ ॥ समोहाछन्द ॥ ह्योचाहोस
न्ता । जोमेरोकन्ता ॥ तोभंजोकोहा । लोभासंमोहा६०
कुमारललिताछन्द ॥ जुराधहिमिलावै । वहैमोहिंजियावै ॥
कहतभरिउसासों । कुमारललितासों ६१ ॥ मध्याछन्द ॥
तौलौंबिधिजामै । लज्जाअरुकामै ॥ बांटोयहसोई ।
मध्याकुचदोई ६२ ॥ तुंगछन्द ॥ अम्बरछबिछाजै । मुक्त
अवलिराजै ॥ मेरुशिखरनीके । तुंगउरजतीके ६३ ॥
तुंगाछन्द ॥ तुवमुखशशिऐसो । निरखतजेहिशेसो ॥ छ
किरहुद्वैगुंगा । सुनहिउरजतुंगा६४ ॥ दोहा ॥ द्विजबरज
गकमलहिरचो द्वैद्विजगोकमलाहि ॥ त्योंरतिपदसंगना
तहै दीपकलातेचाहि ६५ ॥ कमलयथा ॥ पियचषचकोर
है । तियनयनभोरहै ॥ बिधुवदनबालको । कमलमुख
लालको ६६ ॥ कमलाछन्द ॥ कबअँखियनलखिहौं । अरु
भुजभरिरखिहौं ॥ शशिधरबिमलकला । हृदयकमल
कमला ६७ ॥ रतिपदयथा ॥ युवतिवहबरतितो । उरते
यहटरतिजो ॥ हरनिहियदरदकी । सुरतिपदपदुमकी
६८ ॥ दीपकछन्द ॥ जयजयतिजगवन्द । मुनिकौमुदीच
न्द ॥ त्रैलोक्यअवनीप । दशरत्थकुलदीप६९ ॥ ग्यारह
कलाकेछन्द ॥ दोहा ॥ ग्यारहकलमेंएकसै चौवालिसगनि
वृत्त ॥ तहँअहीरलीलाअपर हंसमालगनिमित्त ७०
सोरठा ॥ जातअहीरकहंत रातप्रकटिलीलाभनो ॥ सग
योग्यारहमंत छन्दहंसमालागनो ७१ ॥ अहीरछन्द ॥
कौतुकसुनहुनबीर । न्हानधँसीतियनीर ॥ चीरधस्योल
खितीर । लैभजिगयोअहीर ७२ ॥ लीलाछन्द ॥ धन्यय
शोदाकही । नन्दबड़ेभागही ॥ ईश्वरहैजाघरै । अद्भुत

लीलाकरै ७३ ॥ हंसमालाछन्द ॥ इहिअरण्यमाहीं । सर मानुष्यनाहीं ॥ विकसैकंजआला । कुरैंहंसमाला ७४ बारहमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ बारहमत्ताछन्दगति बरणयोअमितफणीश ॥ होतकियेप्रस्तारहै वृत्तदुसैतैंतीस ७५ लक्षणप्रतिद्वन्द्व ॥ तीनोंकर्नाशेषा । मोसोंगोमदलेषा ॥ चित्रपदाभभकर्नो । ननमहियुक्ताबर्नो ७६ रोनसोंहिहरमुखज्यों । अमृतगतिहिजभसत्यों ॥ नयसहिसारंगियहो । दशलहुगुरुदमनकहो ७७ ॥ शेषाछन्द ॥ ताकोजीमेंध्याऊँ । ताहीकोहोंगाऊँ ॥ पीरोजाकेकेशा । कंठजाकेशेशा ७८ ॥ मदलेखाछन्द ॥ मिथ्यावादनकोहा । निर्लज्जाअरु मोहा ॥ जेतोऔगुणदेखो । तेतोमेंमदलेखो ७९ ॥ चित्रपदाछन्द ॥ रामकह्योनिजधोखे । स्वर्गलह्योतिनचोखे ॥ भक्तनकोनविचारो । चित्रपदारथचारो ८० ॥ युक्ताछन्द ॥ दृगयुगमनकोमोहै । तिनसँगपुतरीसोहै ॥ लखियहउपमायुक्ता । कमलभ्रमरसंयुक्ता ८१ ॥ हरमुखछन्द ॥ धन्यजन्मनिजकहती । प्राणवारतहिरहती ॥ देखिग्वारिलहि सुखको । मैंनगर्वहरमुखको ८२ ॥ अमृतगतिछंद ॥ फिरिफिरिवावतछतिया । लखतरहैंदिनरतिया ॥ तुमजुलिखीवहिपतिया । अमृतगतीमृदुबतिया ८३ ॥ सारंगियछन्द ॥ धनिधनिताहीतियको । बशकरतीजोपियको ॥ सुरनिरमावैहियको । करगहिसारंगियको ८४ ॥ दमनकछन्द॥ विषधरधरपरमप्रिया । जगतजननिसदैहिया । जय जयजनदरदहरी । प्रबलदनुजदमनकरी ८५ ॥ दोहा ॥ गोसभगोनरक्रीड़है बिम्बनसोंयोंपूर ॥ सजसीतोमर जानियो त्योंतमोलहै सूर ८६ ॥ मानवक्रीडायथा ॥ धन्य

यशोदाहिकही। नन्दबड़ोभागसही॥ ईश्वरकैजाहिघरै। मानवकोक्रीड़करै ८७॥ चिम्बछन्द ॥ अमियमेंआशातेरो। हरतवहचेतुमेरो ॥ मनहिंयहक्योंनमोहै। अधरतुवबिम्बसोहै ८८॥ तोमरछन्द ॥ असतीनकोशिखमानि। तियक्योंतजैकुलकानि॥ द्विजयामिनीअपबाद । कहुँछोड़तोमर्य्याद ८९॥ सूरछन्द ॥ बधैनबालानयन। श्रीपाइजेमोहैन॥ रागीनहींहैमूर। तेतोबड़ेहैंसूर ९०॥ दोहा॥ लीलारबिकलजातयुत सजकरनोदिगईश॥ तरलनयनरबिलघुकला प्रस्तारयोफणईश ९१॥ लीलाछन्द॥ अवधपुरीभागभारु। दशरथगृहछबिअगारु॥ राजतजहँविश्वरूप। लीलातनुधरिअनूप९२॥दिगीशछन्द॥ नरमेंगोपालमांगों। पदपद्मप्रेमपागों॥ हरध्यायजोअनन्दै। दिगईशजाहिबन्दै ९३॥ तरलनयनछन्द॥ कमलबदनिकनकबरनि। दुरदगमनिहृदयहरनि॥ बड़ेहिसुकृतिमधुरबयनि। मिलततरुणितरलनयनि ९४॥ तेरहकलकेछन्द॥ दोहा ॥ नराचिकादिकतेरहै कलकीगतिगनिलेहु॥ वृत्तिबूझिकैतीनिसै सतहत्तरकहिदेहु ९५ करनाजोरनराचिका जोगोयमनमहर्ष ॥ रगनरगनअरुनन्दतेहै लक्ष्मीउत्कर्ष ९६॥ नराचिकाछन्द॥ भौंहैंकरीकमानहैं। नैनाप्रचण्डबानहैं ॥ रेखाशिरेजोतैंदई। नराचिकायहौभई ९७॥ महर्षछन्द ॥ तमोरगुनीजतभाई। जवाहिरकीगतिपाई॥ जितोपरभूमिहिजाई । तितोइमहर्षबिकाई ९८॥ लक्ष्मीछन्द ॥ वेदपावैनजाअन्त । जाहिध्यावैंसबैसन्त॥ ज्याइबोजक्तजातन्त। पाहिसोलक्ष्मीकन्त९९॥ चौदहमात्राकेछन्द ॥ चौदहमत्ताछन्दगतिशिष्यादिकअवरे

खि। भेदछसैदशहोतहैंप्रस्तारोकरिदेखि १०० ॥ अथ गणपतिपदछन्द॥ सातोगो शिष्याकीजै। बियदुजमगनसुवृत्ती है॥ पाइतामोभाहिसगनो। हैमनिबंधोभोमसको १०१ तीनिभग्गनगसारवती। सुमुखिदुजोभमहारवती॥ नरजगेमनोरमाकही। दुजसजगसमुद्रिकावही १०२ ॥ शिष्याछन्द ॥ मीचौबांधीजाकेही। नाहींबाच्योताकोजी॥ एरेभाईमेटैको।लिख्यासिख्याबन्ध्येजो १०३॥ छुवृत्ताछन्द॥ असितकुटिलअलकेंतेरी। उचितहरतुहैमतिमेरी॥ यह कतसुमुहनैजीको।बरजहिउरजसुवृत्तीको १०४ पाइत्ताछन्द॥ नयनालागेबिधुबदनी। बैरीजुट्टेप्रबलअनी॥ मांगोपासो अरियअड़े। पाइत्ताहैकरमबड़े १०५ ॥ मनिबंधोछन्द ॥ आपुहिराख्योजोनचहै। कर्मलिख्योतौपाइरहै॥ कर्महिं लागैहाथसोऊ। जोमनिबांध्योगांठिकोऊ १०६ ॥सारवती छन्द ॥ आवतीबालश्रृंगारवती। पीनपयोधरभारवती॥ कुञ्जरमोतियहारवती। पुञ्जप्रभादधिसारवती १०७॥ सुमुखीछन्द ॥ यहनघटाचहुँओरबनी। दशदिशिदौरतिहारअनी॥ तजियहिअवसररूपसखी। चलिहरिपैरजनीसुमुखी १०८ ॥ मनोरमाछन्द ॥ जबहिंबालपालकीचढ़ी। तबहिं अद्भुतैप्रभावढ़ी ॥ लखीदासपूर्णोपमा। कमलमेंबसीमनोरमा १०९ ॥ समुद्रिकाछन्द ॥ हरीमनुहरिगोकह्योयही। नहिंनहिंनजूनहींनहीं॥ सुनिसुनिबतियांमनोपिका। लखिलखिअँगुरीसमुद्रिका ११० ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥ चारिदशैकलहाकली लमलमशुद्धगतंत ॥ सगन भुजाहैसंयुता दुरांबिसरूपीमंत १११ ॥ हाकलिकाछन्द ॥ परतियगुरुतियतूलगनै। परधनगरलसमानभनै॥ हिय

नितरघुबरनामररै। तासुकहाकलिकाल करै ११२॥
शुद्धगाछन्द॥ अरीकान्हाकहांजेहै। सुतेरोदासक्वैरैहै॥ सि
तारालैबजावैतू। केदाराशुद्धगावैतू ११३॥ संयुताछन्द॥
नहिंलालकीम्दुहांसहै। मनमत्थकीयहपाशहै॥ भुव
नैनसंगनलेखिये। धनुतीरसंयुतपेखिये ११४॥ स्वरूपी
छन्द॥ श्रीमनमोहनकीमूरति। हैतुवसनेहकीसूरति॥ मैं
निजमनयहअनुरूपी। तूमोहनप्रेमस्वरूपी ११५॥
पन्द्रहमात्राकेछन्द॥ दोहा॥ पन्द्रहमत्ताछन्दगतिआदिचौ
पईजानि।नौसैसत्तासीकहतवृत्तिभेदउनमानि ११६॥
लक्षण॥ पन्द्रहकलागनौचौपई। हंसीतिन्नादुजधुजठई॥
तरहरिखानउपरलोंकला। सकलकहतअहिपतिउज्ज्व
ला ११७॥ चौपाई॥ तुवप्रसाददेख्योभरिनैन। कहीसु
नीमनभावतिबैन॥ कबपरिहैमोहनगलबांह। चौपई
ठिइतनीमनमांह ११८॥ हंसीछन्द॥ आईवक्षोपरिचिक
नई। छूटैलागीतनुलरिकई। लागीहांसीमनम्दुहरै।
बालाहंसीगतिपगुधरै ११९॥ उज्ज्वलाछन्द॥ धवलजर
तपरबत्तहोतबै। अरुपयनिधिकोबरणैसबै॥ तबहिंबि
मलहीशशिकीकला। जबनहुत्योतोजसउज्ज्वला१२०॥
दोहा॥ तीनितगनयकहैध्वजा हरिणीछन्दसुभाउ। ती
निरगनअहिपतिकहै महालक्ष्मीठाउ १२१॥ हरिणीछन्द॥
बसैउरअन्तरमेंनितही। मिलैकबहूँभरिअंकनही। ल
खोंसबठौरनवैनकहै। यहैहरिणीरसरीतिगहै १२२॥
महालक्ष्मीछन्द॥ शास्त्रज्ञाताबड़ोसोभनो। बुद्धिवन्तोबड़ो
सोगनो। सोइशूरोसोइसन्तहै। जोमहालक्ष्मीवन्तहै
१२३॥ सोरहमात्राकेछन्द॥ दोहा॥ सोरहमात्राछन्दगति

रूपचौपई लेखि। पन्द्रहसैसत्तानवे जानोभेद विशेखि १२४॥ रूपचौपई छन्द ॥ तुवप्रसाद देखोभरिनैनो। कही सुनीमनभावनिबैनो। कबपरिहैमोहन गलबाहीं। चौप इंठि इतनीमनमाहीं १२५ ॥ लक्षण ॥ चार्यो करना विद्युन्माला। मोलीपोहै चम्पकबाला॥ कर्नासदुहै सुखमा लसिता। तिन्नाननगो भ्रमरविलसिता ॥ तिन्नानोयोस मुकियमत्ता। कुसुमविचित्रानयनयजत्ता॥गोसभसोगो हरिअनुकूले। दुजभमतामरसोगगतूले॥ निजभैपनेमा लिनिनिजुमण्डी। नरसाससगहिजियजानियचण्डी॥च क्रमदुजदुजसगनहिंथुलिका। ननगननगहैप्रहरनकलिका॥ जलोद्धतगती जस जस पगनो। मनिगुनदुजपियदुजपियसगनो॥ ऐन भागगहिस्वागतकोछ्वै। चन्दवत्सरनभासप्रकटह्वै। निजजरिपावतमालतीसदा। नभजरीहिपठवैप्रियंबदा। रेणुरेलगहिहैरथद्धनो। नभसयाहिद्रुतपाउशुद्धतो। पक्षप्रवलिभनिजोजलहीसुनि। बटदशलघुहिअचलधृतिमनगुनि १२६ ॥ विद्युन्मालाछन्द ॥ दूजेकोप्योवासोंभारी। नीरेनाहींशृंगीधारी॥ एरीक्योंजीवैगीबाला। चौंहांनवेविद्युन्माला १२७॥ चम्पकमाला छन्द ॥ देख्योवाको आननचन्दा। लूट्योप्यारे आनँदकन्दा। आईजीकीमोहनबाला। कीजैहीकी चम्पकमाला १२८॥ सुखमायथा ॥ होतोशशिसोमान्योमनमें। जान्योहरिहैं तापेक्षनमें॥ बीती सजनीबातें सुखकी। देखे सुखमाप्यारेमुखकी १२९॥ भ्रमरविलसिताछन्द ॥ धीरे धीरे डगमगधरती। रातीरातीद्युतिबिस्तरती। आवै आवै त्रियमृदुहँसिता। आगेआगे भ्रमरविलसिता १३०॥

मत्ताछन्द॥ आयोआलीविषमवसन्ता। कैसेजीवीनिअर नकन्ता॥ फूलटेसूकरिबनरत्ता। चौहाँगूँजैमधुकरमत्ता १३१॥ कुसुमविचित्रा॥ चलनकह्योपैमोहिंडरभारी। परम सुगन्धावहस्रुकुमारी॥ अलितहँहैंअधिकविहारी। कुसुमविचित्रावहफुलवारी १३२॥ अनुकूलछन्द॥ गोपिहु ढूँढाव्रतकतदूजा। कूवरहीकीकरहुनपूजा॥ योगसिखावैमधुकरभूलो। कूवरहीसोंहरिअनुकूलो १३३॥ तोमर छन्द॥ तुवदृगसोंजननीदृगतेरो। नहिंसमताहिलहैमनु मेरो। जलचरखञ्जपराजयसाजै। सखिनवतोमरसो लखिलाजै १३४॥ नयमालिनीछन्द॥ पहिरतपादजासुशित लाई। सखितनुहोतिकम्पअधिकाई॥ तियप्रिय स्वांग चीन्हिवहराई। यहनयमालिनिसुमनलेआई १३५॥ चण्डी यथा॥ जयजगजननिहिमालयकन्या। जैतिजैतिज यत्रिभुवनधन्या॥ कलुषकुमतिमदमत्सरखण्डी। जय तिजयतिजनतारनचण्डी १३६॥ चक्रयथा॥ देवचतुर्भुजचरणन्हपरिये। याहि बनक ममहिय थिति करिये॥ शंखरुगदवियकरनिशिभरिकै। चक्रकमलत्रियकरविच धरिकै १३७॥ प्रहरनकलिकाछन्द॥ दशरथसुतकोसुमिरन करिये। बहुतपजपमेंभटकिनमरिये॥ बिरद बिदितहै जिनचरणनको। प्रहरनकलिकाटनदुखगनको १३८॥ जलोद्धतिगति॥ घनोभगरुराक्षसैकरतुहै। नरामढिगतेसही परतुहै॥ अगारगनवेदरेतरनितें। जलोद्धति गतीउठै धरनितें १३९॥ मनिगुन॥ अभिनवजलधरसमतनल सितं। अरुणकमलदलनैनहुलसितं॥ जयतिशरदशशिसमवरवदनं। दिनमणिकुलदिनमणिगुणसदनं १४०

स्वागता॥ याहिभांतितुमहूँजुखिझावै। बालबाततवक्यों
बनिआवै। नन्दलालमटक्योकब ऐसे। स्वागतासुकरती
तुमजैसे १४१॥ चंद्रवर्त्मछन्द॥ ऊमिश्वासलियमैंदुखभ
रिकै। घेरिलीन्हतहँभौंरनिअरिकै। औरव्योंतबलिहोत
नतवहीं। चन्द्रवर्त्मबिचऊग्योजवहीं १४२॥ मालती
यथा॥ सुमनलखेलतिकाअनन्तमें। सरघनकोसुखहै
बसन्तमें॥ मनमहँमोदनभौंरकेरती। खिलतिनजौंलगि
मालतीलती १४३॥ प्रियंवदा॥ नयनरेणुकनजाहिकेपरै।
मरतपीरनहिंधीरसोधरै॥ रहतिमोदगनमेंअरीसदा।
तियसरोजनयनीप्रियंवदा॥ रथोद्धता॥ हैप्रभुत्वजगमध्यजो
महा। भुक्तयुक्तसुखसाततौकहा॥ रामपाइमननाहिंशुद्ध
तो। तुच्छजानिपुरुषार्थउद्धतो १४४॥ द्रुतपाछंद॥ जिनहिं
संगसिगरीनिशिजागे। नयनरंगजनुजावकपागे॥ गह
रुहोतरिसतासुसँभारो। उतहि लाल द्रुतपाउँनधारो
१४५॥ पंकअवलि॥ मोहनबिरहसतावतबालहि॥ बाइ
बकतिनहिंजानतिहालहि॥ बासरनिशिअँसुआवरषात
ति। पंकअवलिजहँईतहँठावति १४६॥ अचलधृतछन्द॥
कुलिशसरिसबरदशननिदरशित। परुषबचनमुखकढ़
तिकहतहित॥ सबतोहिंकइतमृदुलतनुअनुचित। ति
यतुवयुगलअचलधृतिउरानित १४७॥ पद्धरीलक्षण॥
दोहा॥ सोरहसोरहचहुँचरण पगनएकदैअन्त॥ छन्दहो
तयोंपद्धरी कह्योनागभगवन्त १४८॥ यथापद्धरीछन्द॥
नभरैनिशिघनतमभयविशाल। पदअटकतकंटककर्दभ
जाल॥ मनसुमिरतभयभञ्जनगोपाल॥ पद्धरियप्रेममम
दमत्तबाल १४९॥ अथ सत्रहमात्राप्रस्तारकेछन्द॥ दोहा॥ सत्रह

मत्ताछन्दमें धारीत्रिजयोनीक ॥ बालातिरगपचीस सैचौरासीदैठीक १५० ॥ धारीयथा ॥ मयूरपखाशिरमें थिरकाये। सुपीतपटाउरमेंउरमाये ॥ चलैमुखचन्द्रवि लोकिकुमारी। गयेतुलसीबनमेंगिरिधारी १५१ ॥ बाला यथा ॥ मोरकेपक्षकोमुकुटआला। कंठमेंसोहती मुक्तमा ला ॥ श्यामघनरूपतनुदृगबिशाला। देखिरीदेखिगो पालबाला १५२ ॥ अथअठारहमात्राकेछंद ॥ प्रकटअठारह मत्तकोरूपामालीहोइ। वृत्तिसुइकतालिससैइकयासीजि यजोइ १५३ नौगुरुरूपामालियाअनियममालीवंस। सुयशसंगप्रतिपायँमें छंदहोतकलहंस १५४ ॥ रूपामाली यथा॥ नेहाकीबेलीबोयोंजीमें। आछोथाल्होकेराख्योंहीमें॥ उत्कंठापानीदैपालीहैं। प्यारीजीकोरूपामालीहै १५५॥ मालीछन्द ॥ मुरलीअधरमुकुटशिरदीन्हेहै। कटिपटपीत लकुटकरलीन्हेहै ॥ कोजानैकबआयोसुनिआली। उ रतेकढ़तनकेहूंबनमाली १५६ ॥ कलहंसछंद ॥ मनवास शोभसरसी किन्हनैये। मुखनयनपाणिपदपंकजछैये ॥ कलधौतनूपुरनकीछबिदीसी। कलहंसचेटुअनकीअव लीसी १५७॥ अथउन्नीसमात्राकेछंद ॥ दोहा ॥ उत्तमउनइसमत्त मेंरतिलेखादिविचारि। शतसठिसैपैंसठिकहतवृत्तभेद निरधारि ॥ सगनइग्यारहलघुकरनरतिरेखातुकचाहि। गनगनगनदैकरनदैजानिइन्दुवदनाहि १५८ ॥ रतिले खाछन्द ॥ सबदेवअरुमुनिन मनतुलानितोल्यो। तबदा सदृढ़वचनयहप्रकटबोल्यो ॥ इकओरमाहिसकलजप तपविशेखो। इकओरसियपतिचरणबिरतिलेखो १५९॥ इन्दुवदनाछन्द ॥ दोषकररंकसकलंकअतिजोई। घाटिअरु

बाढ़िपुनिमासप्रतिहोई ॥ भागअवलोकिहहिइहुनिच आली । इन्दुवदनाकहतमोहिंवनमाली १६० ॥ अथबीस मात्राकेछंद ॥ दोहा ॥ होतईसगलिआदिदैछन्दनिमत्ता बीस । दशहजारनौसैउपर गनोभेदछ्यालीस ॥ बीसै कलबिननियमहंसगतिसोहै । मोभासोमोजलधरमा लाजाहै ॥ सोरनबिप्रसाहिगजबिलसिततलुहै । द्वौद्री पाहिदीपकियकहतकबिजनुहै १६१ ॥ हंसगतियथा ॥ जि नजंघनकररूपलियोबिनकारन । बारणकाढेदन्तफिर तदूरबारन ॥ चरणभयेहूअरुणराजनहिंआयउ । ता सुहंसगतिसीखतकिनबौरायउ १६२ ॥ गजविलसितयथा ॥ नागरिकामदेवनृपकटकअनलुहै । भौंहैकमानभालवर तिलकसुशरहै ॥ प्रेमसिपाहअश्वदृगचपलजुअतिहै । तंत्रुनिजंकुजानिगजविलसितगतिहै १६३ ॥ जलधरमाला छंद ॥ चौंहांनखैविपुलकलापीयेरी । पीपीबोलैपपिहा पापीचेरी ॥ कैसेराखैविरहिनिबालाजीको । जारैका रीजलधरमालाहीको १६४ ॥ दीपकीयथा ॥ यौंहोतहै जाहिरेतोहियेश्याम । ज्योंस्वर्णसीसीमध्योऐनमदधाम ॥ तूश्यामहियबीचयोंजाहिरेहोत । ज्योंनीलमणिमेंलसैदी पकीजोत १६५ ॥ लक्षण ॥ त्रिपिनतिलकोललनगनरंग ना । गवनपियलरहिगुरुप्रकटधवलहिगना ॥ छन्दनिशि पालकियमौनगुलगोनरे । चन्द्रसबलघुचरणरुद्रगुरुजो नरे १६६ ॥ विपिनतिलक ॥ भुवनप्रतिराम प्रत्तिकैसकेजंगना ॥ अरिनवनवासलियेसंगलैअंगना ॥ जहँसुतहँदासदसके मनोदामिनी । विपिनतिलकैसकलैचेमईभामिनी १६७ ॥ धवलयथा ॥ सुरसरितजलअमल सुचित्तमुनिवरनिको ।

-15605

गिरिशाअंगअहिअंगवसन त्रिविधरनिको ॥ संगतगिरितुहिनगिरिशरदशशि नवलहै । सबउपरअधिक सियपतिसुयशधवलहै १६८ ॥ निशिपालयथा ॥ लाजकुलसाजगृहकाजबिसरायकै । पालगत लाल किहि जालइत आइकै ॥ आशुचलिजाहिअलि तासुकिनतासुके । भालहुअलालनिशिपालगतजासुके १६९ ॥ चंद्रयथा ॥ कमलपरकेदलिजुग तिनहिंपरगिरियुगल । तिनहिंपर विनहिअवलम्ब सरवरजल ॥ निरखिबिबिगिरिबहुरि कम्बुजैचकितसति । उपरजगमगिरह्योचन्द्रइकविमल अति १७० ॥ इक्कीसमात्राकेछंद ॥ दोहा ॥ पवंगादिइकईसमें कीजैछन्दबिचार । सत्रहसहसरुसातसै इग्यारहप्रस्तार ॥ चारिचकलइकपंचकल जानिपवंगमबंस ॥ तीनिबेरपियरागना छन्दहोतमनहंस १७१ ॥ प्लवंगमयथा ॥ यककोउमलयागिरिखोदिमहावतो । तोकतदक्षिणतौनतियानिशितावतो ॥ ब्याकुलविरहिनिबालककैभरितयनको । निदतिबारहिबारपवंगमसैनको १७२ ॥ मनहंसयथा ॥ खरखूधमध्यतुरंगशोभनपावई । नहिंश्वानमण्डलसिंहहौसँगवावई ॥ खलसंगत्योंजियसंतकेदुखदाउहै । मनहंसकेनहिंकागसंगतिचाउहै १७३ ॥ अथ बाइसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ मालतीमालादिदै छन्दबाइसमत्त ॥ भेदअठाइससहसपर सैसत्तावनतत्त १७४ ॥ लक्षण ॥ सवैदीहामालतीमालासाधा । सोकनौहैद्विजवरप्रियभअमबाधा ॥ द्विजवरनंदनँदनसरकनबानीछै । जानहुबंशपत्रभरनोभमलहुगुरुकै ॥ समदाविलासिनीनिजभजेनशंखकरहो । नलरणभागसज्तयतजानहिकोकिल

को ॥ मोतोयोंसोगोकरिकैमायहिपूरो । वेईब्रनों नृत्यग तीमत्तमयूरो १७५ ॥ मालतीमालायथा ॥ कित्तीतेरीभूमैंहै ज्योंकैलासा । कैलासामेंजैसेशम्भूकोबासा ॥ शम्भूजू मेंगंगाजूकीधारासी । गंगाजूमें मालतीकी मालासी १७६ ॥ असम्बाधा ॥ रात्योद्योसैवामजपत अतिवैतोपैं । तूताहीको नामकहतिमतिलेमोपैं ॥ पापीपीड़ावन्तजग तजनसुनुराधा । जाके ध्यायेंहोत अकलुष असम्बाधा १७७ ॥ मानिनीयथा ॥ ललितदुकानढार देखशुभकोन आवै । सुमुखिसुबोलमूलिकोउनाहिं बिकाइ जावै ॥ दिनदिनहोतिदास अतिरूपमानिनी है । करि बहु भाव सेतिमनुलेतिमानिनी है १७८ ॥ वंशपत्रयथा ॥ घूंघुरवारि श्यामअलकैंअतिछबिछलकै । चारुमुखारबिन्दलुब्ध्यो किभवँरलखके ॥ शुभ्रतुलाकमुक्तद्युतिकैछबितिहुँपुरकी । दाससुवंशपत्रयहकैसोनत्तमसुरकी १७९ ॥ समदविलासिनी यथा ॥ कुचखुलिजानिऐंठिअँगिरानिभित्तिधरिकै । लख तगुपाललालपटओटओटकरिकै ॥ परशतभूमिकेश उरलाजलेशनकहूँ । समदबिलासिनीबसनतोसँभार अजहूँ १८० ॥ कोकिलकयथा ॥ अधरपियूषपानतियकोन करैजबलों । मधुरसिंगारउक्तिकबिकीनलगैतबलों ॥ पियतनुआमऔरमधुकोजबलोंतिलको । तबलगिश ब्दहोतमधुरीनहिंकोकिलको १८१ ॥ मत्तमयूरयथा ॥ दे ख्योवाहीअंगप्रभाकोसुनिबाला । जान्योंकैहैआवतका रीघनमाला ॥ आयोवाहैआघघरीमैंबनमाली । नच्चै कूकैमत्तमयूरोसुनिआली १८२ ॥ मायायथा ॥ काहेको कीजैमनएतीदुचिताई । काहूमोंवाकीलिपिमेटीनाहिंजा

ई ॥ ताहीकोध्यावैमनबाचाअरुकाया । सोईपालैगो
जिनदेहीनिरमाया १८३ ॥ तेईसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ हीर
कदढपटआदिदैतेइसमत्तअनन्त । छयालिससहसरु
तीनिसै अड़सठभेदकहन्त ॥ रलतलायकलकमदढपट
गुरुजतनित्त। तीनिटगनयकरगनदै हीरकजानोमित्त
१८४ ॥ दढपटयथा ॥ पहिरतजामाझीनको चहुँथालगि
भूम्यो। बन्दनिबांधतहूँदुहूँहाथनिमेंघूम्यो॥डारिदयोरी
पेंचमेंमेरोमनआली । दढपटुकोकटिकसकतहीमोहन
बनमाली १८५ ॥ हीरकछन्द॥ जाहुनपरदेशललनलालच
उरमण्डिकै। रतननिकीखानिसुतियमन्दिरमेंछण्डिकै॥
विद्रुमऔलालनिसमवोठनिअवरेखिये। हीरकअरुमो
तिअसनदन्तनिलखिलेखिये १८६ ॥ चौबीसमात्राकेछन्द ॥
दोहा ॥ लोलादिकअहिपतिकह्यो छन्दमत्तचौबीस। दश
पचहत्तरसहसपर जानो त्रित्तपचीस १८७॥ लक्षण ॥
पांचोपांचोगोदिजविथवासंतीकोछै। भासम्मत्तनताटकै
देखोजातचकितह्वै॥गोकर्नोपियमोकर्नैदैलोदुगलोला।
विद्याधारीसबगुरआनियमहवैहैरोला १८८॥वासन्तीछन्द॥
देखेमातेभौंरकरतयेदौरादौरी । आवैगेगोपालसदन
कोजोराजोरी ॥ नैरीबैठीशोचकरतिहैंजीमेंभूले। लागो
चैतोमासबिमलवासन्तीफूले १८९ ॥ चकिताछन्द ॥ पीत
वसनकीकायासोतीमोहनिमनकी। सोहति सजनीत्यों
पाटीरीखौरनितनकी ॥ तोतनकबकेहेरैआली नेसकत
कितैं। निश्चलअँखियांसोहैमानोंखञ्जनचकितैं १९०॥
लोलाछन्द॥ आयेहूतरुणाइ लीन्हेहोलरिकाई । होती
क्योंसखियामेंआपैआपहँसाई ॥ लज्जा बैरिनि मानो

ठानोमंजुलबोलैं । प्यारेप्रीतमजूसोंकीजैकामकलोलैं १६१ ॥ विद्याधारीछन्द ॥ विद्याहोतीवैसोंमेंआनन्दैकारी। आपतकालेजीकीशिक्षादेनेवारी॥ सुक्खदुःखैहोतेनाहीं होतीन्यारी । तातेहूजैमेरेभाईविद्याधारी १६२ ॥ रोला ॥ रविछबिदेखतघूघूघुसतजहांतहँभागत । कोकनिकोताहीसोंअधिककहियोअनुरागत ॥ त्योंकारेकान्हहिलखिमनुसलिहारोपागत । हमकोतौवाहीतेजगतउज्यारीलागत १६३ ॥ पचीसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ गगनंगादिपचीसकलभेदहोतहैंलाख। इकहससहसरुतीनिसैतिरानबेपुनिभाख १६४ ॥ पुनः ॥ सौकलचारिपचीसकोछन्दजातिगगनंग । पगपगपाचौंगुरुदियेअतिशुभकह्योभुजंग १६५ ॥ गगनंगनाछन्द ॥ निरखिसौतिजनहृदयनिरहैगरडकोढंगना । पटलरहितसतकविकेमनकोमिटैफलंगना॥ बदनउघारिहुलहियाक्षणकुचैठिकरिअंगना। चन्दपुराजयसाजहिलजितकरहिगगनंगना १६६ ॥ छब्बिसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ छब्बिसकलमेंचंचरी आदिलाखगतिलेहु । सहसछानबेचारिसै अठारहकहिदेहु १६७ ॥ पुनः ॥ तीनिरगनापियहिदे रातचश्वरीचारु। सोरहदशजतिअन्तगुरुनामविष्णुपदधारु १६८ ॥ चंचरीछन्द ॥ फागुफागुनमासबीततधामधामनिछरिडके । चैतमेंबनबागबापिनिमेंरहैबपुमरिडके ॥ फूलरंगसजैलताद्रुमसौंरवाधबजावहीं । औरकोकिलसारिकामिलिचंचरीकलगावहीं १६९ ॥ विष्णुपदछन्द ॥ कैसेकहौंसहससुरपतिसेसिगरेदृष्टिपरै। दासशेश सतसहसयोगकहबकोकहतडरै ॥ कह्योलिख्योचाहेजानदेखतू

निजओरतकै। हैयहसहसहजारविष्णुपदमाहिमालिखि
नसकै २०० ॥ सत्ताईसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ हरिपदआहि
सताइसैजानैछन्दअनेक। तीनिलाखसत्रहसहसआठै
सैदशटेक २०१ ॥ हरिपदछन्द ॥ विथाऔरउपचारअ
वतुकरैसुकौनेज्ञानु। अजौनकछूनशान्योमूरुखकह्योह
मारोमानु ॥ पापविवशगौतमकीतियजोमतिकैरहीपषा
नु। तासुभगतिजोदासचहैतौहरिपदउरमेंआनु २०२॥
अट्ठाईसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ अट्ठाइसमेंगीतिकाआदिकक
ह्योफणीश। पांचलाखचौदहसहसद्वैसैपरउनतीस २०३॥
लक्षण ॥ चारिसुगणधजगीतिका भरनगजभयनरिन्द।
अनियमवरननरिन्दगति दोवैकह्योफणिन्द २०४॥
गीतिका ॥ यहिभांतिहोहुनबावरीवालिचेतजीमहँल्यावहू।
वृषभानुकोयहभौनहैकहकान्हकान्हबतावहू॥ मुसुकाति
हौकिहिदेखिकैकहिदेखिगातगवावहू। करवीनलैअति
लीनह्वैयहगीतिकाहिसुनावहू २०५ ॥ नरिन्दछन्द ॥ सिंह
विलोकिलंकमृगद्दगवरुचालकरीमदधारी। जानहिंआ
पुजातिनिजमनमहँकरैंप्रीतिअधिकारी ॥ कोलकिरात
भिल्लछविअद्भुतदेखहिंहोहिंसुखारी। रामविरोधसुलहि
वनविचरहिंशत्रुनरिन्दकुमारी २०६ ॥ दोवैछन्द ॥
तुमबिछुरतगोपिनकेअँसुवाब्रजबहिचलेपनारे। कछुदि
नगयेपनारेतेवैउमड़िचलेज्योंनारे ॥ वैनारेनदरूपभये
अबकहोजाउकोइजोवै। सुनियहबात अयोगयोगकीहै
हैसमुदनदोवै २०७ ॥ उन्तीसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ उनति
समत्ताभेदमेंमरहट्ठादिकदेखि। आठलाखचारिससहस
चालिसभेदविशेखि २०८ ॥ मरहट्ठाछन्द ॥ सुनिमा

लहितियउरजनकीनाईं निपटहिप्रकटनहोई । अरुगु
ज्जरयुवतिपयोधरकीबिधि निपटनराखहुगोई ॥ करिप्र
कटदुरेकेबीचराखिये योंअक्षरकीचोज । ज्यहिबिधिमर
हट्ठबधूराखतिहैं बिचकंचुकीउरोज २०९ ॥ तीसमात्राके
छन्द ॥ दोहा ॥ तीसमत्तमेंसारंगीचतुरपदीचौबोल । तेर
हलखछ्यालिससहसदुसैउन्हत्तरिडोल २१० ॥ पुनः ॥
तिथिगसारंगीचतुरपद छिकलसातचौमत्तु । तीसमत्त
चौबोलहैसोरहचौदहतत्तु २११ ॥ सारंगीछन्द ॥ देखोरेदेखो
रेकान्हादेखादेखोधावोजू । कालिंदीमेंकूद्योकालीनागैना
थ्योलावोजू ॥ नच्चैबालानच्चैग्वालानच्चैकान्हाकेसंगी । ब
ज्जैभेरीमृदंगीतम्बूराचंगीसारंगी २१२ ॥ चतुष्पदछन्द ॥
संगरहैइन्दुकेसदातरैया तिनकेजियअभिलाषै । भुवन
जनितकटिबरषाऋतुको तिहिइन्दुबधूसबभाषै ॥ यहजा
निजगतमेंरूपरूखीकैवासरसुमतिबतावै । अतिकूरक
कारूपनिनचीन्हेपरमचतुरपदगावै २१३ ॥ चौबोलछन्द ॥
सुरपतिहितश्रीपतिबामनह्वैबलिभूपतिसोंछलहिचह्यो ।
स्वामिकाजहितशुक्रदानहू रोकयोबरुदृगहानिसह्यो ॥
सुमतिहोतउपकारलाखहितौभूठोकहतनशंकगहै । पर
अपकारहोतजानहितौकबहुँनसांचोबोलकहै २१४ ॥
इकतीसमात्राकेछन्द ॥ दोहा ॥ इकतिसमत्ताभेदमें छन्दसत्रै
याजोहि । एकलाखअठहत्तरै सहसतीनिसैनोहि २१५॥
सवैया ॥ अरबखरबतेंलाभअधिककजहाँचिनहरहासिल
लादपलान । सेतिहिलयेदेखैक्षाराजीऔरहिदश्ननअप
नोज्यान ॥ ऐसोरामनामकोसौदातौहिंनभावतमूढ़अ
यान । निशिदिनजातमोहवशदौरतकरतसवैयाजन्म

सिरान २१६ ॥ रूपसवैयाछन्द ॥ दोहा ॥ रूपसवैयाब्रत्तिसै कलालाखपैंतीस ॥ चौबिससहसरुपांचसै अठहत्तर ब्रिधिदीस २१७ ॥ लक्षणप्रतिलुक ॥ आठोकर्नापायेदीन्हे ब्रह्माछन्देजानोधीरा। सातोहारासुप्रीमोपुनिसुप्रीमोगुर हैमंजीरा॥ करिहाराभोगहिकर्नापीमहिमागोशम्भूकोअं सी। आठोमोनोठानोंडंडोगुरयुगसहितपरमछबिहंसी॥ मत्ताक्रीड़ाचारोकर्नायकलचतुर्दशगुरुतलधरिये। साल्‍ रकरबियगुरछबिसलघुभलपरप्रकटबहुरिगुरुकरिये॥ जानिकऊँचौगोलयगोलय दुजकरित्रिगुणसगुनभरप रत्ये। मोततुनीतोलगानिलखिययेतन्वीकीहै॥ गोबिन्दा तेरीइच्छाकेतीशम्भूब्रह्माठानैजू । तूहीसंसारैबिस्तारै तूहीपालैऔज्यावैतू २१८ ॥ मंजीरछन्द ॥ मोह्योरीआली मेरोमनश्रीवृन्दावनशोभादेखै। देखेरीझैगीतोहूँअति मैंहींभाषतिरेखारेखै॥ एरीकान्हातूकोनितनकोऊचित्त नराखैधीरा। जोटीजोटानग्वैग्वालिनिवज्जैझालरिऔ मंजीरा २१९ ॥ शम्भूछन्द ॥ तियअरधंगाशिरमेंगंगाग लभोगीराजाराजैजू । निरखैमत्तानिजनाचत्ताडमरूडौ डौडौबाजैजू । संगबेतालीकरदैतालीसुखदानीबानीगा वैजू । धनिप्रानीतेजगुजानीजेनितऐसोशम्भूध्यावैजू २२० ॥ हंसीछन्द ॥ जाकोजीजासोंपाग्योसोसहजउत दपिसुखदअतिहोई। जोनाहींजीकोभावैसोअतिशुभस मुभिचहतकिमिकोई॥ कलबकीकोकैसेभावैयदपिमुकुत अतिजगतप्रशंसी। संसारीनीकोलागैपैअनकनकबहुचु गतिनहिंहंसी २२१॥ मत्ताक्रीडाछन्द॥ काहूकोथोरोदोषीकैस हनकहतप्रभुपरमविपत्तिको। सोतोजानैसंसारैनारदसन

भगतसहउदुखअतिको ॥ काहूकाहूभूलेभूलेत्रिभुअनप
तिचक्रसतशुभगतिको। देखाहाथीमत्ताक्रीड़ाजलमहँकर
तनरहेउभगतिको २२२॥ सालूछन्द॥ सौदामिनिघनजिमि
बिलसतहरिपरिहरिपियरपटसाखिउहिरुखमें । देखतक
लुषभयोदिनउडुगणहुतभुकपरियरुइयघनदुखमें ॥ त्यों
हींइहिंरुखकुँवरियमुनतटानिराखिअरखतसुखसुखमें। सा
लूरङ्गसङ्गलसतसुतनरुचिळनरुचिसारिचमकतितिमिमु
खमें २२३॥ क्रौंचछन्द॥ सेरनकैसीपौरुषआतैंकिमिकरिकह
उडुगणबिचवरणी । क्योंशुकसारीलौंपढ़िजानैयत्ननिक
रिबकऔधकघरणी ॥ ज्ञानियबिद्याजानुजनायेनहिंजड़
कअहुँधुधनियहवरणी । तूलक्रौंचोक्योंकरिहंसैगनिगनि
धरतधरतपगधरणी २२४ ॥ तन्वीछन्द ॥ देखिसशोकैअम
लजत्तमैलोगबखानतसाहिजुठहाई । आननशोभातरु
णिप्रगटिकैजीतनश्वेतबसनसजिआई ॥ फूलसरनिसों
सुग्धनिबसकै जाहिरभोजगमन्मथधन्वी । जीतनताको
चितवनिशरसो धीरप्रबीनसकलकरितन्वी २२५ ॥ सु
न्दरीछन्द ॥ दोहा ॥ ससगबिप्रदुगसारवति छन्दसुन्दरीजा
न ॥ पदपदमत्तबतीसगनि चौबिसवर्णप्रमान २२६ ॥
सुन्दरीयथा ॥ कुचकीबढ़तीयोंछिनछिनकीमेरोमनदेखतरी
झिमयो । दरकीअँगियाचारिकपहिरे अरुचारिककोटु
टिबँदगयो ॥ कटिजातपरीहैखिनखिनखीनी याबिधि
यौवनजोरठयो । जबहींतबनीबीकसतहिदेखैसुन्दरिको
दिनद्वैकभयो २२७॥दोहा॥ इमिद्वैतेबत्तीसलगि वृत्तिबान
वेलाख ॥ सत्ताइसहज्जारपर चौसैवासठिभाख २२८ ॥
इतिमात्राप्रस्तारछन्दवर्णनंनामपञ्चमस्तरंगः ५ ॥

अथमात्रामुक्तकछन्द ॥ दोहा ॥ घटैबढ़ैकलदुकलहू वहैंमे
दअसिरास ॥ तेहिगनिमत्ताछन्दके मुक्तकमेंगुणधाम १
चित्रतथाबनीनीछन्द ॥ दोहा ॥ सोरहसत्रहकलनिको चित्र
बनीनीहोय ॥ चारिचौकमेंतीसरो यगनकहैसबकोय २
यथा ॥ लीन्हीजिनमोलभायचोखे । दीन्हीतुमकोबिथा
अजोखे ॥ कीजैअँखियानकीकनीनी ।ल्याईसुविचित्रहो
बनीनी ३ नँदलालगनेनशीतऔघाम । सेवैतुवद्वार
आठहूयाम ॥ फूँकतीतुमतासुलेतहीनाम । पविचाहि
कठोरतोहियोबाम ४ ॥ दोहा ॥ सत्रहअट्ठारहकलनि छ
न्दहीरकीतन्त ॥ नन्दभुजनिबिरमतिचलै दुकलत्रिक
लहूअन्त ५ ॥ यथा ॥ दासकहैंबुधिथकैधीरकी । देखि
प्रभाअद्भुतपटीरकी ॥ बेसरिकीकेसरियाचीरकी । वा
रनीकीढारनीकिहीरकी६ ॥ पुनः ॥ दन्तनकीचारुचमक
देखिदेखि । बिज्जुछटामन्दप्रभालेखिलेखि ॥ मोहित
कैदासधरीचारिचारि । कोनचलैजीवनधनवारिवारि ७॥
दोहा ॥ अट्ठारहवनइससकल छन्दभुजंगीमानि ॥ नैन
ततगहैचन्द्रिका वाकीगतिपहिंचानि ८ ॥ भुजंगीछन्द ॥
ललालाड़िलीकीलखीपीठिमें । तहांश्यामबेणीपरीडी
ठिमें ॥ मनोकांचनीकेदलीपत्रहे । भुजंगीपरीसोवतील
त्रहे ९ ॥ चन्द्रिकाछन्द ॥ कुरबकलखौहूकरैबोलिकै । द्विर
दगतिहरैमन्दहीडोलिकै ॥ दशनद्युतिलजीलीकरैदामि
नीं । हसनिसनजितेचन्द्रिकाभामिनी १० ॥ नांदीमुखी ॥
दोहा ॥ पंचलहूपरमगनत्रय नान्दीमुखीबिचित्र ॥ गति
लीन्हीनियमोतजै वहैनामहैमित्र ११ ॥ यथा ॥ जन्म
प्रभुलियोअवधमेंलूटिमांची । लुट्योसबसबनिधरतुए

कौनवांची ॥ द्विजनाक्रियबिदावाकवादैसुखीकै । नृपति जबउठेश्राद्धनांदीमुखीकै १२ ॥ दोहा ॥ वोनईसकैबीस कल छन्दहोतचितहंस । नन्दकरनद्वैअंतरो कैहैरल अवतंस ॥ पद्मबैठकमुक्तभोजनछोड़िकै । तूसहैदुख भूखक्रोपनुवोड़िकै ॥ दासहासकरैघनेबकवंसरे । तोहि ह्यांवसुत्रासउचितनहंसरे १३ ॥ पुनः ॥ भौंरनाभीबीच गोतेखाइखाइ । बूड़िगोरीचित्तमेरोहाइहाइ ॥ चाहि गिरिमिरिगाहितिरितिरिफेरिफेरि । दासमेरेनयनथाके हेरिहेरि १४ ॥ सुमेरुछन्द ॥ दोहा ॥ कलवोनइसेबीसको छन्दसुमेरुनिबेरि ॥ लहूमगनलहुभगनयों कहूँअन्तल हुफेरि १५ ॥ यथा ॥ करेकोवाकुचरचालोगआली। लु गाईक्याकरैंगीकैकुचाली ॥ प्रभाजोकान्हजूकोऊतरी है । सोमेरेनयनदूकीपूतरीहै १६ ॥ प्रियाछन्द ॥ दोहा ॥ बाईसैतेईसकल छन्दप्रियापहिंचानि ॥ चखानिचारुसं गीतकी बरणलहैं सुखदानि १७ ॥ यथा ॥ तोछूटतछूटी सिगरीशीतलई है । योंअंगसबैवादिनतेआगिभईहै ॥ राखैरहिहैदासहमैंदूरिहियासों । योंपथीसंदेशोकहिवी प्राणप्रियासों १८ ॥ हरिप्रियाछन्द ॥ दोहा ॥ बीसइकीसौ बाइसौ कलाहरीप्रियछन्द ॥ तीनिछकलपरदेहुगुरु न न्दकिहैगुरुबन्द १९ ॥ यथा ॥ हरतिजुहैदीननकोसंकट बहुतहै । विनवतीतिहिचितवनिहितदासदासहै ॥ कर निहरनिपालनितूदेविआपुही । शम्भुप्रियाब्रह्मप्रिया हरिप्रियातुही २० ॥ पुनः ॥ करतिजुहैदीननिकेसंकटको हीन । बिनवतीतिहँचितवनिहितदासदासदीन ॥ करनि हरनिपालनितूदेविसबठौर । शम्भुप्रियाब्रह्मप्रियाहरि

प्रियानश्रोर २१ ॥ पुनः ॥ हरतिजुहैदीननिकोसंकटबहुते
रो। बिनवततिहिचितवनिहितदासदासतेरो ॥ करनि
हरनिपालनितूदेविश्रापुहीहै ॥ शम्भुप्रियाब्रह्मप्रियाह
रिप्रियातुहीहै २२ ॥ दिगपालछन्द ॥ दोहा ॥ होतछन्ददिग
पालकल बाईसोतेईस ॥ चौबीसोपूरोभयो हैदूनोदि
गईस २३ ॥ यथा ॥ सोपायआजुडोलैमहीशीतधूप
में। त्रिधिबुद्धितुच्छजाकीमहिमाअनूपमें ॥ हरजासुरू
पराखेहियेबीचसब्रदाहि। दिगपालभालजाकीरजराज
तीसदाहि २४ ॥ पुनः ॥ सखिप्राणकीसँघातीप्यारीनहीं
लगैरी। सुखदानिबानितेरीअतिदूरिकोभगैरी॥ अलि
कान्हप्राणमेरोनिजसाथलैगयोहै। मनुश्रापुनोनिमोही
वहमोहिदैगयोहै २५ ॥ अबिधाछन्द ॥ सग्गनारग्गनाज
गनुलगै। रग्गनारग्गनातकोरदगै॥ अबिधाछन्दपाय
नागकहन्त। सोरहोसत्रहोअठारहमन्त २६ ॥ यथा ॥ का
न्हकीत्योंरतेगचोखीहै। रीतियामेंकह्यअनोखीहै॥ प
विसेमोहियेजुलागिउठै॥ अबिधाज्योंबियोगश्रागिउठै
२७॥ सायकछन्द ॥ सगनागीसगनागोसगना। रगनादी
हुनहींदोसगना ॥ लहुआद्यन्तपरेसत्रहलेखि। नामहै
सायकयाछन्दहिदेखि २८ ॥ यथा॥ अँखियांकाजरकी
कोरनहीं। भृकुटीश्रौतिरछौतोरनहीं ॥ दासयेप्राणनके
घायकहैं। बिसुहैंखंजरहैंसायकहैं २९ ॥ भूपछन्द ॥ सग
नागोसगना। रग्गनाआदिमना॥ लहुवोअन्तभलोइ।
भूपशिवसरकलोइ ३० ॥ यथा ॥ भावतीजातिकितै।
नेकुतौताकिइतै ॥ तेरोईघायलहौं। भूपसोहायलहौं
३१ ॥ मोहनीछन्द ॥ सगनागोसगनागोसगनागोसग

ना। रगगनाआदिदियेहुनकछूदीसगना॥ बाईसैतेईस कलअन्तलहूचौबिसहोइ। मोहनीछन्दकहैंयाहिसयाने सबकोइ ३२॥ यथा॥ ढूँढ़ेहूहैंनतितीपंकजकेकाननमें। सुखमादासजितीमोहनकेआननमें॥ नतितीजानिपरे मन्मथकेबाननमें। मोहनीरीतिजितीहैबँसुरीताननमें ३३॥ अथगीताप्रकरण॥ दोहा॥ चौबिसकलगतिचञ्चरीरूप मालपहिंचानि। लघुदैआदिपचीसकल सुगीतिकाउर आनि॥ छदैआदिछबीसकरि गीताकहौंबिशेखि। गुरुदै अन्तसुगीतिके शुभगीताअवरेखि॥ करिगीतागुरुअ न्तहरि गीताअट्ठाईस। अन्तलहूअतिगीतकरि सताइ सौउनतीस ३४॥ अथरूपमालायथा॥ जातिहैंबनबादिहीग लबांधिकैबहुतंत्र। धामहींकिनजपतकामदरामनामसुमं त्र॥ ज्ञानकीकरिगूदड़ीदृढ़नरन्नातिलकबनाउ। दासपर नअनूपसगुनसरूपमालागाउ ३५॥ सुगीतिकाछन्द॥ हजारकोटिजुहोयरसनाएकएकमुखग्र। इड़ाअरुबिन जोबसैरसनानिमण्डिसमग्र॥ खरोरहैदिगदासतनुधरि देवपरमपुनीत। कहैकछूअहिराजतबननजशजतुवजस गीत ३६॥ गीताछन्द॥ मनबावरेअजहूंसमुझिसंसारअ मदरियाउ। इहितरनिकायहछोड़िकैकछुनाहिंऔरउ पाउ॥ तैसंगभक्तिमलाहकरिआरूपसोलैलाउ। श्रीराम सीताचरितचरचाशुभगीतानाउ ३७॥ शुभगीताछन्द॥ त्रि लोकिदुलहिनिबेलिकेतनफूलमालबिराजई। रसालदूल हशीशसुन्दरमौरकीछबिछाजई॥ बसन्तकेगृहआजव्या हउछाहपरमपुनीतहै। चकोरकोकिलकीरभासिनिगाव तीशुभगीतहै ३८॥ हरिगीतछन्द॥ बनमध्यज्योंलखिसा

जसंयुतव्याधब्यासहिसज्जतो। पशुपक्षिमृगयायोगनि जनिजजीवलैलैभज्जतो ॥ त्योंमोहमदपैशुन्यमत्सर भाजिजातसभीतहैं। जबदासकेउरभक्तिसंयुतज्योंसतो हरिगीतहै ३९ ॥ अतिगीताछन्द ॥ चैतचांदनिमेंउतैमुरली बजाईनंदनन्द। तानसोवतितानकीगलितानकियबि धिबंदबन्द ॥ तासमयवृषभानुनन्दिनिक्कांगईचालिफं दफन्द। मोहिमोहनऊगिरेअवलोकिकैमुखचंदचन्द ४० ॥ शुद्धगालक्षण ॥ यगनगुरूकरिचौगुनोछन्दशुद्धगाहो इ। अन्तघटैकलदुकलहूवहैकहैसबकोइ ४१ ॥ यथा ॥ रूखेबैठीकहाबौरीअरीकान्हाकहांजैहैं। सुतोयाहीघ रीमैंदेखितेरेपासह्वाऐहैं ॥ सिखायोमानिकैमेरोसितारा लैबजावैतू। सखीवाघोसकीनाईकेदाराशुद्धगावैतू ४२ ॥ लीलावतीछन्द ॥ द्वैकलदैफिरतासकललीलावती अनेम। दुगुनपद्धरियकेकियेजानोवहैसप्रेम ४३ ॥ यथा ॥ पीताम्बरमुकुटलकुटबनमालवैसोईदरशावै। मुसुकानिबिलोकनि मटकलटकबाढ़िमुकुरछांहतेछबिपा वै ॥ मोबिनयमानिचलिवृन्दाबनबंशीबजाइगोधनगा वै ॥ तौलीलावतीश्याममैंतोमैंनेकुनउरअन्तरआवै ४४ यथा ॥ जेहिमिलतनतूतेहिरैनिसांझहीतेरटलावततोहि तोहि। अधरातउठतकरिहायहायपर्यंकपरतपुनिमोहि मोहि ॥ कबकोढिगठाढ़ेहहाखातयहाखिन्नगातगतिजो हिजोहि। जियकेवलतूयहलालहालादिनरैनिबिसासि निकोहिकोहि ४५ ॥ इतिश्रीदासकृतेछन्दोर्णवेमात्राके मुक्तछन्दवर्णनन्नामषष्ठस्तरंगः ६ ॥

अथजातिछन्दवर्णनं ॥ दोहा ॥ प्रस्तारनिकीरीतिसों करिक छुभिन्नविभाग । जातिछन्दवर्णनकियो बहुविधिपिंगल नाग १ ॥ दोहाप्रकरण ॥ तेरहग्यारहतेरहे ग्यारहदोहाचार । दोहाउलटसोरठा बिदितसकलसंसार २ ॥ दोहा ॥ मनबालकसमभाइये तुम्हैंबिनयरघुनाथ । नतरुबोलाये कौनके आवैचन्दोहाथ ३ ॥ दोहादोष ॥ प्रथमतीसरेचरणमें जगनजोहियेजासु । सोदोहाचण्डालिनी बोलैबिबिधबिनासु ॥ बारहलघुबाईसलघु बत्तिसलघुलेमानि । चारिबरणदोहाकही बाकीलघुलौंजानि ४ ॥ सोरठा ॥ सोबनदीजैधाइ भीजैनेकुविभावरी ॥ अबैगहाजनिपाइ सोरठानिहैंमेखला ५ ॥ अथदोही ॥ दोहाकेतेरहनिमें द्वैद्वैकलाबढ़ाइ । कीजैदोहीदोहरा एकोएकघटाइ ॥ जनिबांहगहोहोजानती लालतिहारीरीति । होनिसोंहीनित्तके करोदोहीदिनकीप्रीति ६ ॥ दोहा ॥ जातनकनकतखोना लगतचौहरोलाल । मुक्तमालहियतेहरो दोहरोबेंदाभाल ७ ॥ उल्लाला ॥ करिविषमदलनिपन्द्रहकलासमपायनितेरहरहे । तुकराखिअट्ठाइसकलनिपरउल्लालापिंगलकहे ८ ॥ यथा ॥ कहिकाव्यकहाबितरुचिरमतिमतिसुकहाबिनहींविरति । कहबिरतिउलालगोपालकेचरणनिहोइजुप्रीतिअति ९ ॥ चुरियाला ॥ दोहातलकेअन्तमेंऔरपंचकलवन्दानिहारिये । नागराजपिंगलकहैचुरिआलासोछन्दबिचारिये १० मैंप्रियमिलनअमीगुनोबलिबिसुसमुभिनतोहिंनहोरति । भटकिझटकिकरलाड़िलीचुरियालाखनकीकतफोरति ११॥ भुवाछन्द ॥ पहिलेहिबारहकलकरुबहुरेहुँसत्त । इहि

त्रिधिछन्दध्रुवारचुत्रनइसमत्त १२ ॥ यथा ॥ ध्रुवहित्रां ड़िजोअध्रुवसेवनजाइ । अध्रुवतासुनशैहैध्रुवहुनशाइ १३ ॥ घत्ताछन्द ॥ दोहा ॥ दशवसुतेरहअर्द्ध में समुझिये घत्ताछन्द । ग्यारहमुनितेरहविरति जानोघत्तानन्द १४ यथा ॥ मोहनमुखआगेअतिअनुरागेमैंजुरहीशशिछबि निदरि । दुखदेतसुआखीत्रिनुवनमालीघत्तालहिचूकत नअरि ॥ घत्तासखिसोवतमोहिंजानिकछुरिसमानिआ इगयोगतिचोरकी । सोयोंढिगहिचुपाइकहिनहिंजाइ घत्तानन्दकिशोरकी १५ ॥ दोहा ॥ हरिपददौवेचौबो लो द्वैहीहैतुकजानि ॥ दोहाप्रकरणरीतिमें लिख्योदा सउत्तमानि १६ ॥ अथ चौपैयाप्रकरण ॥ दोहा ॥ चारिचरणमें जतिजमक तुकवरणनिकरिनेम ॥ जातिछन्दवरणयोअ हिप सोऊसुनीसप्रेम १७ ॥ चौपैयाछन्द ॥ दोहा ॥ दशवसु बारहविरतितें चौपैयापहिंचानि ॥ चारिचरणचौगुन किये होतनिपटसुखदानि १८ ॥ चौपैयायथा ॥ तलवित लरसातलगगनभुवनतलसृष्टिजितीजगमाहीं ॥ पुरराम सुथलमेंकाननजलमेंवाहिरहितकछुनाहीं ॥ पियमिलहि नरामहितजिसियवामहिंनहिंवचाउकहुँभागे । सुरप तिसुतकांचोसबजगनाचोवांचोपैआंलागे १९ ॥ लक्षण मतितुक ॥ दशवसुदशचारैविरतिविचारैपद्मावतितलगु रुदोई । याहीविधिठानोदुर्मिलजानोअन्तसगनकरनो होई ॥ दशवसुकरियोहींचौदहत्योंहींअन्तसगनहैदण्ड कलो । दशवसुवसुसंगीपुनिरसरंगीहोतत्रिभंगीछन्द भलो २० ॥ दोहा ॥ आठआठचौकलपरै चारैरूपनि शंक ॥ भूलेहुजगनन्नदीजिये होतछन्दसकलंक २१ ॥

पद्मावती ॥ ब्यालिनिसीबेनीलखिलबिसेनीतजतनुआशा
मोरेंजू । शशिसोमुखशोभितलखिह्योलोभितलावत्त
टकीचकोरेंजू ॥ निकसतमुखश्वासैंपाइसुवासैंसंगनछो
ड़तभोरेंजू । बाहिरआवतिजबपद्मावतितबभीरजुरति
चहुँओरेंजू २२ ॥ दुर्मिलछन्द ॥ इकत्रियव्रतधारीपरउप
कारीनितगुरुआज्ञाअनुसारी । निरसंचयदातासबर
सज्ञातासदासाधुसंगतिप्यारी ॥ संगरमैंशूरोसबगुनपू
रोसरलसुभावंसत्तिकहै। निरदंभभगतिबरविद्यानिआग
रचौदहनरजगदुर्मिलहै २३ ॥ दण्डकलाछन्द ॥ फलफूल
निल्यावैहरिहिसुनावैयहहैलायकभोगनकी ॥ अरुसब
गुनपूरीस्वादनिरूरीहरनिअनेकनिरोगनकी ॥ हँसिले
हिकृपानिधिलखियोगीबिधिनिन्दहिअपनेयोगनकी ।
नभतेसुरचाहैंभागुसराहैंफिरिफिरिदण्डकलोगनकी २४
॥ त्रिभंगीछन्द ॥ समुझियजगमेंकोफलमनमें हरिसुमिरन
मेंदिनभरिये । झगरोबहुतेरोघेरुघनेरोमेरोतेरोपरि
हरिये ॥ मोहनबनवारीगिरिवरधारीकुंजबिहारीपगुपरि
ये । गोपिनकोसंगीप्रभुबहुरंगीलालत्रिभंगीउरधरिये
२५ ॥ जलहरनछन्द ॥ दोहा ॥ लघुकरिदीन्हेंबत्तिसो जलहर
नापहिंचानि ॥ तिरभंगीपरआठपुनि मदनहराउरआनि
२६ ॥ यथाजलहरनछन्द ॥ सुदिलयउमिथुनरबिउमाड़िघुमाड़ि
फबिगगनसघनघनझपकिझपकि । करिचलतिनिक
टतनक्षनरुचिक्षन क्षनखगअबभरसमलपकिलप
कि ॥ कछुकहिनसकततियबिरहअनलहियउठतक्ष
णहिंक्षणतपकितपकि । अतिसकुचातिसखियनअधक
रिअँखियनलगियजलहरनटपकिटपकि २७ ॥ मदनहरा

छन्द ॥ सखिलखियदुराईछबिअधिकाईभागभलाईजा निपरैफलसुकृतफरै । अतिकान्तिसदनमुखहोतहिस म्मुखदासहियेसुखभूरिभरैदुखदूरिकरै ॥ छबिमोरपख नकीपीतबसनकीचारुभुजनकीचित्तऔरैसुधिबुधिबिसरै। नवनीलकलेवरसजलभुवनधरवरइन्दीवरछबिनिदरै म दमदनहरै २८ ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥ एकेतुकसोरहकलनि पायकुलकगुरुअन्त ॥ चहुँतुकभागनयमकसो अलि लाछन्दकहन्त २९ ॥ पायकुलक ॥ हगआगेसोवतहुनिहा रों। हियतेक्योंहरिरूपनिकारों ॥ हौंनिजतनसमरतन विचारों । केहिउपायकुलकानिसँभारों ३० ॥ अलिल्ला छन्द ॥ भुवमटकावतिनयननचावति । सिंजितसिसकिन शोरमचावति ॥ सुरतसमयबहुरंगरचावति । अलि लालनहितमोदसचावति ३१ ॥ सिंहविलोकित छन्द ॥ दोहा ॥ चारिसगनकेद्विजचरण सिंहबिलोकितयेहु ॥ चरणअन्तअरुआदिके मुक्तपदग्रसदेहु ३२ ॥ यथा ॥ मुनिआश्रमशोभधरयोतियहीं । अहिकचसँगबेसरिमो रजहीं ॥ जहँदासअहितमतिसकलकटी। करसिंहबिलो कितगतिकरटी ३३ ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥ रोलामेंलघुरुद्रपर काव्यकहावैछन्द ॥ ताआगेउल्लालदे जानहुछप्पैबन्द ३४ ॥ काव्यछन्द ॥ जन्मकहाबिनयुवतियुवतिसुकहाबि नयौबन। कहयौबनबिनधनहिंकहाधनबिनअरोगतन॥ तनसुकहाबिनगुणहिंकहागुणज्ञानहीनक्षन ॥ ज्ञानकि विद्याहीनकहाविद्यासुकाव्यबिन ३५ ॥ छप्पैछन्द ॥ मा लनयनमुखअधरचिबुकतियतुवबिलोकिअति । निर्म लचपलप्रसन्नरत्तशुभवृत्तिथकीमति ॥ उपमाकहशशि

खञ्जकञ्जबिंबियगुलाबबर । खण्डथानथितिप्रातपक्क प्रफुल्लितसुशोभधर ॥ शारदकिशोरशुभगन्धमृदुनव लदासअवतनचित । जुकलंकरहितयुगसरलहितडा रगहतषटपदसहित ३६ ॥ लक्षण ॥ सिंहबिलोकनरीति देदोहापररोलाहि ॥ कुण्डलियाउद्धतवरणतजतिअमृ तधुनिचाहि ३७ ॥ कुण्डलियाछन्द ॥ साईंसबसंसारको सन्ततफिरतअसंग । कामजारिकीन्होभसमअर्द्धंग ॥ मृगनैनीअर्द्धंगदासआसनमृगछाला । सुनि येदीनदयालगलेनरशिरकीमाला ॥ सुनियेदीनदयालक शोअजगुतसबठाईं । कर्णगहेकुण्डलियबिदितभयहर गगोसाईं ३८ ॥ अमृतध्वनिछन्द ॥ धुनिधुनिशिरखलत्रिय गिरहिसुनतरामधनुशब्द। लगियशरझरिगगनमहिय थाभाद्रपदअब्द ॥ अब्दनिनदझरिझुद्दकुटिलअरियुक्ति मरतलरि । मुण्डपरतगिरिरुण्डलड़तफिरिखड्गकरि करि॥ऋक्षप्रबलभटउद्धतमरकटमर्दततितिहिध्वनि। निर्त्त तसुरमुनिमित्रकहतजयकृतिअमृतध्वनि ३९ ॥ दोहा ॥ पायाकुलकत्रिभंगियों होतमुक्तपदग्रस्त । छंदकहतहु ल्लासहैकरितुकआठसमस्त४०॥ हुल्लासछंद ॥ कान्हजन्म दिनसुरनरफूले। नमधरनिशिवासरसमतूले ॥ महितेम हरिअबिरउड़ावैं। दिवितेदेवसुमननरषावैं॥सुमननबर षावैंहर्षबढ़ावैंतजितजिआवैंयाननको। सजितियनरभेष निसाहितअलेषनिकरहिंअशेषनिगाननको ॥ तिनलोग निकीगतिदाननकीअतिनिरखिशचीपतिभूलिरहै । ब्रज शोभप्रकासहिनंदबिलासहिदासहुलासहिकौनकहै ४१॥

इतिश्रीमात्राजातिछन्दवर्णनंनामसप्तमस्तरंगः ७॥

दोहा ॥ जातिछन्दप्राकृतनिके निपटअटपटेढंग। दासकहैगाथादिदै तिनकीभिन्नतरंग ॥ विषमनिबारह कलशमनि पन्द्रहठारहयीश ॥ समपदतीजोगनयगन गाथाप्रकरणईश १ ॥ लक्षण ॥ समपदगाहूपन्द्रहपन्द्र हअठारहठारहउग्गाहा। अट्ठारहपन्द्रहगाहाकहिपन्द्र हअट्ठारहबिग्गाहा ॥ बीसैबीसखन्धकलबीसैअट्ठारह समपदसिंहिनी। सबकेरबिकलविषमदलनिसमअट्ठा रहबीसैगाहिनी २ ॥ गाहूछन्द ॥ शिवसुरमुनिचतुराननं जाकोलहैनहींथाहू। पारवारकोउजाननहरिनामसमुद्र अवगाहू ३ ॥ उग्गाहा ॥ शिवमुनिसुरचतुराननजाकोकबहूँ नहींलहैथाहा। पारवारकोउजाननिहरिनामसमुद्रअव गाहा ४ ॥ गाहा बिगाहा अर्थ में जाति ॥ बारहलहुआविप्री वाईसाक्षत्रिनीगाहो। बत्तीसासोबैसीबाकीलहुहैशुद्रि नीबिगाहो ५ ॥ सन्धाछन्द ॥ जगनफल ॥ एकजगनकुल वन्तीदोइजगन्नागिहिनीसुहैसुनिबन्धो। जगनविहीनीर एडावेश्यागावोवहुजगन्नकोखन्धो ६ ॥ गाहिनी तथा सिंहिनी ॥ सुनिसुन्दरिमृगनैनीतूत्रभासमुद्रअवगाहिनीराजै। हं सगमनिपिकबैनीतोलंकबिलोकिसिंहिनीलाजै ७ ॥ इकटिपदेगाहिनी ॥ चपलागाथा ॥ चपलागाथाजानोयहदोइज गन्नुहैसमेपाया। पिङ्गलनागबखानोगुरुदोइतुकंतमेठा या ८ ॥ दोहा ॥ ताहिजघनचपलाकहैं दलदूसरेजदोइ ॥ प्रथमदलहिमेंजगनुद्वै मुखचपलाहैसोइ ९ ॥ विपलगाथा ॥ प्रथमपायकलतेरहैसत्रहैमत्तहैबियनाथा ॥ तिसरेपय ग्यारहैचौथेसोरहैबिपुलागाथा १० ॥ रसिकछन्द ॥ दोहा ॥ ग्या हग्यारहकलनिको षटपदरसिकबखानि ॥ सबलघुपहि

लेभेदहै गुरुदैबहुबिधिठानि ११॥ यथा ॥ हँसतचखत
दधिमुदित। भुकतभजतमुखरुदित॥ असिततियनिमि
लिरहत। रिसयुतविरतिहिगहत॥ अगणितछबिमुखस
सिक। शशुतबनवरसरसिक १२॥ खंजाछन्द॥ दोहा॥ सात
पंचलघुजगनगो मत्तायकतालीश॥ योंहींकरिदलदूसरो
खंजारच्योफणीश १३॥ यथा॥ सुमुखितुअनैनलखिद
हगह्योभखनिभख गरलमिसिभवरनिशिगिलतनित
हिकञ्जहै। निशिनिमित्तज्योंसुरतियनिमृगफिरतबनहिं
वनहुअहरुअमदनसरथिरनरहतखञ्जहै १४॥ दोहा॥
खञ्जाकेदलअर्द्धपर द्वैगुरुदेसुखकन्द॥ आगेगाहाअ
र्द्धकरिजानहिंमालाछन्द १५॥ मालाछन्द॥ लगतनिरख
तललितसकलतनश्रमकलितब्रज अधिपअंगवलित
सुरतिशयसोहतीबाला। मरकततरुजनुलबढ़ीफलि
कनकलतामुकुटमाला १६॥ शिष्याछन्द॥ दोहा॥ पहिले
दलमेंचौबिसै लघुपरजगनहिंदेहु॥ पुनिबत्तिसपरजग
नुदैशिष्यागतिसिखिलेहु १७॥ यथा॥ शुभरदनिविधु
बदनिगुणसदनिजगहदनिनहिंतोहिसरिष्यु। कुंवरिस
मविनयश्रवणसुनिसमुझिपुनि मनहिंगुनिनप्रियप्रतिरि
सकुमतिशिष्यु १८॥ चूड़ामणिछन्द। दोहा॥ दोहागाहाकोकरो
मुक्तापदयसबन्द॥ नागराजपिंगलकह्यो सोचूड़ामणि
छन्द १९॥ यथा॥ दिनहींमेंदिनकरदिपै निशिहींमेंश
शिज्योति। जगदम्बाद्युतिदिवसनिशि जगमगजगम
गहोति॥ जगमगजगमगहोतीहोरीज्योंगोरीचिनगारै।
चक्रवर्त्तिचूड़ामणिजाकेपगभूतलहाजारै २०॥ अथरड्डा
छन्द॥ दोहा॥ प्रथमतीयपञ्चमचरण पहिलेजानिअखे

द ॥ दूजोचौथेफेरिगुनि जानहिरएडाभेद २१ ॥ यथा ॥ तेरहग्यारहकरभीबरनि । नन्दभुवनहरढरनिबोनइसरु द्रनोहनीअरनि । चारुसेनातिथिहरनितिथिराव्रिमत्ताभ द्राबरनि २२ ॥ दोहा ॥ तिथिरबितिथिहरतिथियनि राज़ सेनिरङ्काहि ॥ तालङ्किनितिथिकलअधिक दोहासबतत्त चाहि ॥ तालंकिनिरड्डातथा ॥ बालापनबीत्योबहुखेलनि । युवा गईतियकेलनि । रह्योभूलिपुनिसुतबितरेलनि । जियग लडारीतेरेजेलनि । अजहुँसमुझितजिमूरुखपेलनि । कालपहूँच्योशीशपरनाहिंनकोऊअड्ड । तजिसबमाया मोहमदरामचरणभजुरङ्ग २३ पांचचरणरचनाउपर दीजेदोहाअन्त । सातभेदअहिपतिकह्यो नवपदरड्डा तन्त २४ ॥ इतिश्रीदासकृतेछन्दोर्णवेमात्राकेजातिछ न्दवर्णनन्नामअष्टमस्तरंगः ८ ॥

अथमात्रादण्डकवर्णन ॥ दोहा ॥ छब्बिससोंबढ़िबर्णजो दंडक बर्णविशेखि ॥ बत्तिसतेबढ़िमत्तजो मत्तादण्डकलेखि १ ॥ झूलनाछंद ॥ दोहा ॥ दशदशदशमुनिजातिचरण छन्दझूल नातत्त ॥ दुकघलिरहुस्वोसैंतिसो चन्तालीसोमत्त २ ॥ यथा ॥ पानिपीवैनहींपानलीवैनहींबामअरुबसनराखैन नेरो । प्रानकेएनमेंनैननेकैरह्योरूपगुणनामतेरो ॥ विर हबशऐसेहीहैवैहीकेमहीराखिहैकैनहींप्राणमेरो । तोहिं तकियाहिसंदेहकेमूलनाझूलतोचित्तगोपालकेरो ३ ॥ दीपमाला ॥ दोहा ॥ दीपककोचौगुनकिये दीपमालसुखदा नि ॥ चालिसकलशिरद्वैघटै अन्तबढ़ैबिजयानि ४ ॥ दीपमाला यथा ॥ लहिकैकुहूयामिनीमत्तगजगामिनीचलीबनमिल

नकोनन्दलालाहि । कैसुघरमन्मत्थरचित्रनेकीबेलिलै
ल्योगाहिसहितशृंगारथालाहि ॥ संगसखीपरवीन
तिप्रेमसोलीनमनिआभरणज्योति छबिहोतिबालाहि
कैदासकैईशढिगजातिलीन्हे चलीभामिनीभाग्यसोंदी
पमालाहि ५ ॥ विजया ॥ सितकमलवंशसीशीतकरअं
शसीविमलविधिहंससीहीरवरहारसी । सत्यगुणसत्व
सीसंतरसवंशसीज्ञानगौरत्वसीसिद्धिविस्तारसी । कु
न्दसीकाससीभारतीवाससी सुरतरुनिहारसीसुधारस
सारसी । गंगजलधारसीरजतकेतारसीकीर्त्तितवविजय
कीशम्भुआगारसी ६ ॥ दोहा ॥ तीनितीनित्रारहविरति
दशजातिदैतुकठानि ॥ छन्दछियालिसमत्तको चञ्चरी
कपहिंचानि ७ ॥ चञ्चरीकछन्द ॥ जाकोनाहिंआदिअंतज
ननिजनकदेवकंतरूपरंगरेखराहिंथापकजगजोई । म
च्छकच्छकोलरूप बामननरहरिअनूप परशुरामराम
कृष्णबुद्धिकल्किसोई ॥ मधुरिपुमाधवमुरारिकरुणामय
कैटभारिरामादिकनामजासुजाहिरबहुतेरो । कोमलशु
भ्रासमंजुमुखमासुखशीलगंज ताकोपदकंजचित्तचंच
रीकमेरो ८ ॥ इतिश्रीदासकृतछन्दोर्णवेमात्राछन्दकेद
त्तिजातिमुक्तकदण्डकवर्णनंनामनवमस्तरंगः ६ ॥

अथवर्णवृत्तिप्रस्तारभेद ॥ एकवर्णकोउक्ताप्रकरणतासु
भेदद्वैकीजैपाठ । द्वैअत्युक्ताभेदचारि हैंमध्यातीनभेदहैं
आठ ॥ चारिप्रतिष्ठासोरहविधिपांचैसुप्रतिष्ठाभेदब
स । षट्गायत्रीचौंसठिसातैउष्णिकसौपरअट्ठाइस
आठैवर्णअनुष्टुपद्वैसैछप्पनभेदकहतफणिराउ । गनै

अक्षरकोवृहतीप्रकरणभेदपांचसौबारहठाउ ॥ दशौवर्ण कोपंगतिप्रकरणभेदसहसऊपरचौबीस । ग्यारहकोत्रिष्टुपप्रकरणगनिद्वैहजारअरुअड़तालीस ॥ बारहकोजगतीप्रकरणतेहिभेदहजारचारिछानबे । तेरहअक्षरकोअतिजगतीइक्यासिसित्तरपरचानबे ॥ चौदहकोसर्करीसोरहैसहसतीनिचौरासीय । पन्द्रहअतिसर्करीसहसबत्तीससुसातसैअरसठकीय ॥ सोरहअष्टिसहसपैंसठिशतपांचछत्तीसअधिकलैंधरी । सत्रहकोअत्यष्टिलाखपरयकतिसलहसबहत्तरिकरी ॥ अट्ठारहधृतिछब्बिसऐतुइक्कीससैऊपरचावालीस । बावनऐतुबयालिससैअट्ठासीबिधिअतिधृतिवनईस ॥ बीसबरणकोकृतिप्रकरणहैनासुभेदगनिलेदशलाखु । अड़तालीससहस्रपांचसैऔरछिहत्तरिऊपरराखु ॥ यकइसबरणप्रकृतिप्रकरणहैबीसलाखपहिलेसुनिमित्त । सत्तानबेसहस्रएकसैबावनऊपरदीजैचित्त ॥ छन्दहोयबाईसबर्णकोआतिकृतिप्रकरणजानिअखेद । यकतालीसलाखचौरानबेसहसतीनिसैचारिभेद ॥ छन्दकहावैविकृतिप्रकरणतेइसबर्णहोहिंजेहिमाह । लाखतिरासीसहसअठासीछासैआठगनैअहिनाह ॥ संस्कृतनामबरणचौबिसकोतासुभेदहैएककरोरि । सतसठिलाखहज़ारसतहत्तरिदुइसैऊपरसोरहजोरि ॥ आतिकृतप्रकरणबरणपचीसैतीनिकरोरिलाखपैंतीस । चौवनसहसचारिसैबत्तिसभेदबिचारिकहतफणिईस ॥ उत्कृतिहोतबरणछब्बिसकोभेदछकोटियकहत्तरिलक्ष । आठहजारआठसैचौसठिक्रमतेदुगुणबढ़ैपरितक्ष ॥ तेरहकोरिबियालिसलक्षासत्रहसहससात

सैहोय। छब्बिसअधिकजोरिसबभेदनठीकदियोचाहैजो कोय १ ॥ दोहा ॥ सबकेकहतउदाहरण बाढैग्रंथअ पार ॥ कहूँकहूँतातेकहत बरणछन्दबिस्तार २ ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥ एकगुरूश्रीछंदहै कामाद्वैगुरुवन्द । ध्वजाएक महिनंदयक सारसपियमधुछन्द ॥ तीनिबरणप्रस्तारजो म य र स त ज भ न पाठ । आठौगणतेदासभनि छन्दहोतहैंआठ ३ तालीससीप्रियारमनि अरुपञ्चाल नरिन्द ॥ आठसहितमंदरकमल म य र स त ज भ न छन्द ४ ॥ चारिबरणकेछंद ॥ सोरठा ॥ तिर्नाक्रीड़ानंद रा माधरानगान्निका ॥ कलातरणिजाछंद गनिगोपालमुद्रा हिपुनि ५ धारीबीरोकृष्ण बुद्धीनिशिहरिसोरहो ॥ भेद कहतकबिजिष्ण चारिबरणप्रस्तारके ६ ॥ दोहा ॥ मत्त पधारहुमेंपरैं उदाहरणयेआइ ॥ तिर्नाक्रीड़ानन्दअरु धरागोपालसेवाइ ७ ॥ तिर्नाछन्द ॥ धर्मज्ञाता । निर्भय दाता ॥ तृष्णाहिन्नो । जीवैतिन्नो ८ ॥ क्रीड़ाछन्द ॥ हमारी सोहरैपीड़ा । कलिन्दीजोकरैक्रीड़ा ९ ॥ नन्दछन्द ॥ योंन कीजै । जानदीजै ॥ होकन्हाई । नन्दआई १० ॥ धराछन्द ॥ सोधन्यहै । औगन्यहै । सीतावरै । जोहीधरै ११ ॥ दोहा ॥ अकइसगणबाहुल्यते छन्दहोतबहुभांति ॥ दासदेखावै भिन्नकरि तेहितरंगकीपांति १२ ॥ लक्षण ॥ यारसतजभ गाननितुनोभरु । छहोछन्दकेनामसमुझिधरु ॥ शंखना रिजोहातिलकाकरि । मंथानोमालतीदुमन्दरि १३ ॥ शंखनारीछन्द ॥ लखेशुभ्रग्रीवां । महाशोभसीवां ॥ परेवा कहारी । कहाशंखनारी १४ ॥ जोहाछन्द ॥ रूपकोगर्वछै । भूखतीषर्वछै ॥ सुस्यनौसाथमें । लालजोहाथमें १५ ॥

तिलकाछन्द ॥ अधिकोमुखह्वो । कियकषशिशो ॥ अजि कैसखियों । तिलकाजरसों १६ ॥ मंथानछन्द ॥ गोविन्दको ध्यानु । सारंसतूजानु ॥ विद्यामहीमानु ॥ हैज्ञानमंथानु १७ ॥ मालतीछन्द ॥ लखोबलिबाल । महाछबिजाल ॥ लसैउरलाल । सुमालतिमाल १८ ॥ द्रुमन्दरछन्द ॥ बाल पयोधर । मोहियसोहर ॥ मानुसुअन्दर ॥ मानुद्रुमन्दर १६ ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥ तीनिनन्दगसमानिका चामरसात अनूप ॥ पांचनन्दगोसैनिका धुजलसैनिकारूप २० ॥ समानिकाछन्द ॥ देविद्वारजाहितू । बोलिपाहिपाहितू ॥ राखि हैकृपानिकै । खासदासमानिकै २१ ॥ चामरछन्द ॥ बाल केसुदेशकेशकालिंदीप्रभादली । पन्नगीकुमारकीसेवार कीकहांचली ॥ याऽयथाफिरैनिकुंजकुंजपुंजभामरो । कामधेनुपायरोरहैअतेयचामरो २२ ॥ सेनिकाछन्द ॥ चली प्रसूनलेनवृन्दबाल । सुमंजुगीतगावतीरसाल ॥ बिलोकियेप्रभाअनूपलाल । बनीस्वरूपसेनिकाबिशाल २३ ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥ चारिमल्लिकाचंचला आठगन्ददशनन्द ॥ प्रमाणिकाधुजचारिको । आठनराचसुछन्द २४ ॥ मल्लिकाछन्द ॥ चित्तचोरिलेतपौन । मन्दमन्दठानिगौन ॥ मोहनीबिचित्रपास । मल्लिकाप्रसूनबास २५ ॥ चंचलाछन्द ॥ श्यामश्याममेघओघव्योममेंअलीलसैन । ल्याइयो प्रसूनबाणकालकीअपारसैन ॥ होतिआजुकाल्हिमेंबियोगिनीनप्राणहानि । चञ्चलानचैनमीचुनाचतीचहूँदिशानि २६ ॥ गंडतथाचित्रछन्द ॥ रामरोषजानिहारलाभमानिशम्भुजोनचैउताल । पाइकैमृदंगशोरआनईकुमारकोमयूरहाल ॥ होइतोकुतूहलैबिलोकिशुंडकोचलै

डेराइव्याल । चौंकिचिग्घैरगणेशगुंजिगएडतेउडैमलि
न्दज़ाल २७ ॥ प्रमाणिकायथा ॥ नहैसमयघटानिकी । स
लाहमानठानिकी ॥ जताइजाइदामिनी । सुक्षिप्रमानि
कामिनी २८ ॥ नराचछन्द ॥ मृगाक्षिएकद्वारलसमात्रही
चितैगई । कह्योनजाइमोहियेअघाइघाइकैगई ॥ प
र्योप्रतीतिआजुमोहिंदासधैनसांचुहै । खरोनराचतेति
याकटाक्षफोतराचुहै २९ ॥ लक्षण ॥ भुजंगप्रयातलक्ष्मी
धरनाम । सतोटकसारँगमोतियदाम ॥ समोदकदास
छभेदबिचारि । परैसतजोभनचौगुणधारि । ३० ॥ भुजं
गप्रयात ॥ छुटेबारदेखेधरेमोरपाखे । बिनाडीठिकीकैगई
वृन्दआखे ॥ जितेसर्वशृंगारवेणीप्रभासो । भुजंगोप्र
यातोत्रपापाइजासों ३१ ॥ लक्ष्मीधरयथा ॥ शंखचक्रोग
दापद्मजाहाथमें । पक्षिराजाचढ्योवैष्णोसाथमें ॥ दास
सोदेवध्यावैसदाजीयमें । जोरहैचारुलक्ष्मीधरेहीयमें ३२
तोटकछन्द ॥ घरहाइनघैरवगारनदे । हरिरूपसुधाउरधार
नदे । तलफैअँखियानकिटारनदे । अबतोटकलाइनजि
हारनदे ३३ ॥ सारंगछन्द ॥ कीजैकुहूजानिक्योंशशिको
भंग । वेगैचलोश्यामपैसाजियाढंग । कस्तूरिहीलेप्रकै
लेहिसबंग । प्यारीसजैआजुसारीनिसारंग ३४ मोती
दामछन्द ॥ तमालकेऊपरहैबकपांति । किनीलशिलापर
संतजमाति ॥ नक्षत्रनिअंकलितेबनश्याम । किश्याम
हियेपरमोतियदाम ३५ ॥ मोदकछन्द ॥ नारिउरोजवती
तिकुरोजनि । कान्हउचाटभरेजिउरोजनि ॥ लीबेहैकूबरी
कोचरणोदक । कूबरजासुवशीकरमोदक ३६ ॥ लक्षण ॥
दोहा ॥ अंतभुजंगप्रयातके लघुइकदीन्हेकंद । तीनिभ

गनहैगुरुदिये बंधुदोधकोछंद ३७ मोदकशिरकैबंधुशि र द्वौलघुतारकबंद। पंचसगनभ्रमरावली छयगणक्रीड़ा छंद ३८ पंचभगनगुरुएकको छन्दकहावैनील। तीनि सगनशिरकरणदै हैमोटनकसुशील ३९ ॥ कन्दछन्द ॥ चहूँओरफैलाइहैचन्द्रिकाचंद । खुलैगीसुगंधैफुलैगीलताछंद ॥ जगत्प्राणत्योंडोलिहैंमन्दहीमंद । कबैचेतुऐहैचिदानन्दकोकंद ४० ॥ बंधुछंद ॥ आरततेअतिआरतहैजू । आरतवंतपुकारतहैजू ॥ दासहूकोदुखदूरिबहायो। तौप्रभुआरतबंधुकहायो ४१ ॥ तारकछन्द ॥ पर्यंकमयंकमुखीचलिऐहै । सविलासबिलोकिहियेलगिजैहै ॥ बिरहागिभरोहियरोसियरैहै। करतारकबैवहबासरऐहै ४२ तजिकैदुखगंजहजारकजारक। कतसोवतभूमिभटारकटारक॥भजिलैप्रहलादउबारकबारक। जगकोनिस्तारकतारकतारक ४३ ॥ भ्रमरावलीछन्द ॥ चलिबीसबिस्वेउहिआजुहिल्यावतहौं । तुम्हरेहियकीसबतापबुझावतहौं ॥ इनकीरचकोरनदूरिकरौबनते । भ्रमरावलिवेगिबिडारहुकुञ्जनते ४४ ॥ क्रीड़ाछन्द ॥ दुहूँओरबैठीसभाशुभ्रसोहैसुमानोकिनारा । रहीदूरिलौंफैलिहैंचांदनीचारुज्योंगंगधारा ॥ सजेचूनरीनीलनश्वेतिचंद्राननीबारदारा । करैचंद्रक्रीड़ामनोसंगलैशर्बरीसर्वतारा ४५ ॥ नीलछंद ॥ मोहनआननकीसुसुकानिअनूपसुधा । होतबिलोकिहजारमनोभवरूपमुधा ॥ पीतपराप्रदासन्योछावरिबीजुछटा । नीलकलेवरऊपरकोटिकनीलघटा ४६ ॥ मोटनकछन्द ॥ मोहैमनुबेणुबजाइअली। मूसैउरअन्तरभांतिभली ॥ कीजैकिनव्योतअगोटनको।

हैचोरयहीमनमोटनको ४७ ॥ दोहा ॥ भुजँगप्रयातहि आदिदै सबचौगुनोबनाउ। होतपरमसुखदानिहै भाषो भोगीराउ ४८ ॥ इतिश्रीदासकृतेछन्दोर्णवेबेगनबाहुल्य केछन्दवर्णननामदशमस्तरंगः १० ॥

अथवर्णसवैयाप्रकरण ॥ दोहा ॥ यकइसतेछब्बीसलगि वर णसवैयासाजु ॥ इकइकगणबाहुल्यकरि वरणयोपन्नग राजु १ ॥ लक्षण ॥ सातभहैमदिरागुरुअन्तहुदैलघुओ रचकोरकहौगुनि। ताहूगुरूकरिमत्तमयंदलहूमदिराशि रमानिनियेसुनि ॥ आठकरोयभुजंगरलक्षियसोदुमिला तहिआभारहैपुनि। जाहिसुमोतियदामवनावहुभागरन आठकिरीटरचोचुनि। २ ॥ मदिराछन्द ॥ दीनअधीनके पायँपरीहोअरीउपकारकोधावहितू। मेरीदयालखिहो हिप्रसन्नदयाउरअन्तरल्यावहितू ॥ नैननकेहियकीविर हागिनिएकहिबारवुझावहितू। श्रीमनमोहनरूपसुधा मदिरामदमोहिंछकावहितू ३ ॥ दुक्रदूलरोमदिरा ॥ चकोरछंद ॥ सोहतहैतुलसीबनमेंरमिरासमनोहरनन्दकिशोर। चा रिहूपासहैंगोपबधूमणिदासहियेमेंहुलासनथोर ॥ कव लउरोजवतीनकोआननमोहननैनभ्रमैंजिमिभौंर। मो हनआननचन्दलखेबनितानकेलोचनचारुचकोर ४ ॥ मत्तगयंदछंद ॥ सुन्दरिशुभ्रसुवेषसुकेशसुश्रोणसुठौनिसु दन्तसुसैनी। तुङ्गतनीमृदुअङ्गकृशोदरीचन्द्रमुखीमृग शावकनैनी ॥ सोनकोवासरुदासमिलेगुनगौरिप्रियान वलासुखदैनी। पीननितम्बवतीकरमोरुहमत्तगयन्द गतीपिकवैनी ५ ॥ मानिनीयथा ॥ प्रफुल्लितदासबसन्त

किफौजशिलीमुखभीरदेखावतिहै। जमातिप्रभञ्जनकी गहिपत्रनिमानबिभंजनिधावतिहै॥ नयेदलदेखिहथ्या रनडारिभटैतियसंगलिभावतिहै। चढ़ाइकैभौंहकमान निमानिनिकाहेतूबैरवढ़ावतिहै ६॥ भुजगछन्द॥ तुम्हैंदे खिबेकीमहाचाहबाढ़ीमिलापैबिचारैसराहैस्मरैजू। रहै बैठिन्यारोघटादेखिकारीबिहारीबिहारीबिहारीररैजू॥ भ ईकालबौरीसीदौरीफिरैआजुबैठीदशाईशकाधौंकरैजू। बिथामैंगसीसीभुजंगैडसीसीछरीसीभरीसीघरीसीभरैजू ७॥ कसीछन्द॥ बादिहीआइकैबीरमोऐनमैंबैनकेघाव कौवोकरैथावरी। आपनीतरत्रहीएकहीवाकह्योकौनकी चोकरैबातफैलावरी॥ दासहोकान्हदासीबिनामोलकीछां ड़िदीन्ह्योंसबैबंशबंशावरी। ज्ञानशिक्षानितासोजुदीर क्षियेलक्षियेजाहिप्रत्यक्षहीबावरी ८॥ दुमिलाछन्द॥ सखि तोमहँयाचनआईहौंमैंउपकारकैमोहिंजियावहितू। तो हिंतातकीसौंनिजभ्रातकीसौंयहबातनकाहूजनावहितू॥ तुवचेरीहौंहोउँगीदाससदाठकुरायनमेरीकहावहितू। क रिफन्दकछूमोहिंप्यारजनीसजनीब्रजचन्दमिलावहितू ९ आभारछन्द॥ येगेहकेलोगधौंकात्तिकीन्हानकोठानिहैंका लिहएककहीगौन। सम्बादकैबादिहीबावरीहोयकोआ जुआलीरहौठानेहीमौन॥ हौंजानतीहौंनधौंसीखकोनेद योनन्दकोलालगोपालधौंकौन। आभारह्यांद्वारकोता हिकोसौंपिकैमोहिंओतोहिंह्यांराखतेभौन १०॥ मुक्तह राछन्द॥ पठावतधेनुदुहावनमोहिंनजाउँतौदेखिकरौतुम टेहु। छुटाइभज्योबछरायहबैरीसरूकरिहौंगहिल्याई हौंगेहु॥ गईथकिदौरतदौरतदासखरोटलगेभइबिक्कल

देहु । चुरीगईचूरिभरीभइधूरिपय्योटुटिमुक्तहरायहलो
हु ११ ॥ किरीटछन्द ॥ पायँनपौरियैप्रावरियाकटिकेश्वरि
याडुपटाछबिछाजित । गुंजमिलेगजमोतियहारमेंशीति
सितासितभांतिहैभाजित ॥ अंगअपारप्रभाअवलोक
तहोतहजारमनोभवलाजित । बालयशोमतिलालयेई
जिनकेशिरमोरकिरीटबिराजित १२ ॥ लक्षण ॥ दोहा ॥
आठसगनगुरुमाधवी सुपियमालतीचाहि । सत्यनयों
मंजरिकहे सत्यभरोअलसाहि १३ ॥ माधवयथा ॥ बिन
पण्डितग्रन्थप्रकाशनहींबिनग्रन्थनपावतखण्डितमाहै।
जगचन्द्रबिनानबिराजतियामिनियामिनिहूबिनचन्द्रअ
भाहै ॥ सुसमाहिकेदेखेतेसाधुताहोतिऔसाधुहीतेशुभ
होतिसभाहै । छबिपावतहैमधुमाधवीतेमधुकोअतिमा
धवीहूँसोंप्रभाहै १४ महिमागुणवंतकीदासबढ़ैबकसै
जबरीझिकैदानजबाहिर । गुणवंतहुतेपुनिदानिहूँकोय
शफैलतजातदिगंतकेबाहिर ॥ जिमिमालतीसोंअतिने
हनिबाहेतेभौरभयोरसिकाईमेंजाहिर । अरुभौंरहुको
अतिआदरकीन्हेसुबासमेंमालतियोंभइमाहिर ॥ १५ ॥
मंजरीयथा ॥ बसंतसेआजुबनेब्रजराजसपल्लवलालछरी
बरहाथे । सुकुण्डलकेमुक्ताबिचहैंमकरंदकिबुंदनकीछ
बिनाथे ॥ मलिंदबनेकचघूँघरवारेप्रसूनघनेपहुँचीनमें
गाथे । गरेजिमिकिंशुकगुंजकिमालरसालकिसंजुलमं
जिरमाथे १६ ॥ अरसातछन्द ॥ सांतघरीहूँनहींबिल
गात लजातऔबातगुनेमुसुकातहैं । तेरीसौंखातहौं
लोचनरातके सारसप्रातहूतेसरसातहैं ॥ राधिकामा
धोउठेपरभातहैं नयनअघातहैंपेखिप्रभातहैं । ला

गिगरेअँगिरातजँभातभरेरसगातखरेअरसातहैं १७॥
इति श्रीदासकृतेछन्दोर्णवेसवैयाप्रकरणवर्णनन्नामएका
दशस्तरंगः ११॥

अथ संस्कृतयोग्यपद्यवर्णनम् ॥ दोहा ॥ कहौंसंस्कृतयोग्यल
खिपद्यरीतिसुखकन्द ॥ गनलक्षणगननाममेंछन्दलक्ष
णेछन्द १॥ रुक्मवतीछन्द ॥ रग्गनोकर्नोसगनोगो । जानि
येसोरुक्मवतीहो ॥ पायमेनौअक्षरसोहै । तीनिऔछौ
मेंजतिजोहै २॥ यथा ॥ लक्ष्मीकोपैनरईहै । राखतेसो
जातमईहै ॥ सोरहीनएकरतीजू । लङ्कहीजोरुक्मवती
जू ३॥ सालिनीछन्द ॥ कर्नोकर्नोरग्गनोरग्गनोगो । जानो
याकोछन्दहैसालिनीहो ॥ पायेपायेवरणएकादशोहै ।
चारेसातैबीचबिश्रामसोहै ४॥ यथा ॥ बालाबेणीअद्
भुतैब्यालिनीहै । माधोनीकेगर्वकीघालिनीहै ॥ पीके
जीमेंप्रेमकीपालिनीहै । सौतेकेहीसर्वदाशालिनीहै ५॥
वातोर्मीछन्द ॥ गोगीकर्नोसगनोजगनो । वातोर्मीहैयहई
छन्दबनो ॥ सातेचौथेजतिहैचारुजामें । पायेबनोदश
औएकतामें ६॥ यथा ॥ कैसेयाकोकहियेनेकुनाहीं । नी
बीबांधीरहतीयाहिमाहीं ॥ तातेऐसोबरणैबुद्धिमेरी । बा
तोर्मीहैसजनीलंकतेरी ७॥ इन्द्रवज्राउपेन्द्रवज्राछन्द ॥ तक्कार
करनोसगनोयेगन्नो । हैइन्द्रवज्रादशएकवन्नो ॥ उपेंद्र
वज्राजगनादिसोई । दुहूँमिलेपैउपजातिहोई ८॥
इन्द्रवज्रा यथा ॥ एरीबड़ीजोगिरितेकहायो । सोचित्तपी
काइनसोंगिरायो ॥ सोहैअयानोमृदुजोकहैरी । है
इन्द्रवज्रामसकानितेरी ९ उपेन्द्रवज्राआदिको लघ

पढ़ेहोतहै १० उपजातिकोईतुकआदिलघुपढ़ैं ११॥

उपस्थितछन्द ॥ कर्नोसगनोपियगोपगन्नो । सोपस्थितोहैदशएकवन्नो ॥ जगन्नुसगनोतकारुकरना । पयस्थितकहैंमनकेप्रसन्ना १२ ॥ यथा ॥ प्यारेप्रतिमानकहाकरौंमैं । जोआपनआपतोईनरोमैं ॥ आलीदृढ़ईबहुतेकियेहू । कोपस्थितिहीसुरैरहैनकेहू १३ ॥ पयस्थितछन्द ॥ दुखोरुसुखकोहैदानिसोई । वहैहरतदूजोनकोई ॥ नदासजीमेंहूजेनिरासी । जोपयस्थितहैबैकुण्ठबासी १४ ॥

सालीछन्द ॥ नन्दकरनोनन्दगोरगानोगो । नामयाकोछन्दसालीकहोहो ॥ चारिसातैदासविश्रामठानो । अमरायेग्यारहोजोरिआनो १५ ॥ यथा ॥ कान्हकीजोत्योंरतीखीसहोगी । मोहित्योंहींधन्यआलीकहोगी ॥ शूरकैसेजोरजानैंजियेमें । होइजाकेशेलसालीहियेमें १६ ॥ सुन्दरीछन्द ॥ नगनभागनुभागनुरगना । चरणचारिहुसुंदरिशोभना ॥ द्रुतबिलम्बितयाहिकोऊकहै । बरणबारहदासअचूकहै १७ ॥ यथा ॥ अनमनीसजनीसबसंगकी । सुधिनतोहिरहीकछुअंगकी ॥ दुखितमोहनलालमकुन्दरी । कुढ़गमानहिमानहिसुन्दरी १८ ॥

प्रमिताक्षरा ॥ प्रियनंदनंदसगनोसगनो । प्रमिताक्षराहिपगनोपगनो ॥ जतिबीचबीचमनिलेमनिले । दशदोइवर्णगनिलेगनिले १९ ॥ यथा ॥ अँगियासगाढ़बलंदेजियकी । अरुनीलअंचलहुसोमढीली ॥ तिनबीचव्यक्तझलकैकुचयों । कवितानिबद्धप्रतिमाक्षरज्यों २०॥

वंशस्थबिलछन्द ॥ जगन्नुकरनासगनोलगोलगो । सुछन्दवंशस्थबिलोपगोपगो ॥ गोआदिकोबर्णसुइन्द्रवंशुहै ।

मिलेंदुघापैउपजातिअंशुहे २१ ॥ यथा ॥ सक्योतपर चीमहिमैनहोइजू । नतोहमारेथलुलेइसोइजू ॥ नटीन बंशस्थबिलोकिसोहनी । कृतइन्द्रबंशोपरिविश्वमोहनी २२ ॥ इन्द्रबंशायथा ॥ जान्योतपस्वीमहिमैनहोयजू । नतो हमारोथलुलेइसोइजू ॥ नारीनबंशस्थबिलोकिसोहनी । कीइन्द्रबंशोपरिविश्वमोहनी २३ ॥ विश्वादेवीछन्द ॥ गो गोमोरूपोगोयगानैयगाने ॥ विश्वादेवीकेपायँमेंचित्त आनै ॥ सोहैआभैबारहोबर्णजाके । बर्णोयेपांचोसात विश्रामताके २४ ॥ यथा ॥ सेऐंगौरीकेपायँमेंकीललाई । योगीकोहोतीयोगरागाधिकाई ॥ राजस्सोपावैशूर जेहोतसेवी । सोहागेवतीसेइकैविश्वदेवी २५ ॥ प्रभाछन्द ॥ द्विजबरपियरागिनीरागिनी । करतविमलचारुमंदाकिनी ॥ बहुतकहतहैंएहीहैप्रभा । दुदशबरणऔरधा हैअभा २६ ॥ यथा ॥ शिवशिरपरतोढरीगंगरी । तियकुचशिवपैत्रिवेणीढरी ॥ सुरसतियमुनामनोभामिनी । मुकुटगनप्रभासुमन्दाकिनी २७ ॥ मणिमालाछन्द ॥ कर्नापियकर्नाकर्नापियकर्ना । आधेबिश्रामोहैबारहबर्ना ॥ बीसैजहँमत्तासोहैअतिआला । भोगीपतिभाषोयाकोमणिमाला २८ ॥ यथा ॥ चन्द्रावलिगौरीपूजनलैजाती । कीजैकिनप्यारेसीरीअबछाती ॥ राधावहआवैएहोनँदलाला । जाकेहियसोहैनीकीमणिमाला २९ ॥ पुटछन्द ॥ तियद्विजबरकर्नोनन्दकर्नो । जतिबसुअरुचारेबीसबर्नो ॥ दशअरुविषयामेंवर्णराख्यो । अहिपतिपुटनामेछन्दभाख्यो ३० ॥ यथा ॥ नहिंब्रजपदिबातेंतूसुनावै । सखिम रतसमयमेंमोहिंज्यावै ॥ अमियस्रवतआलीआस्यते

रो। श्रवणपुटनपीवैप्राणमेरो ३१ ॥ ललिताछन्द ॥ तोत्र
अगैलपियनन्दनन्दगो। बिश्रामलेतपगपंचसत्तको॥
हेमुग्धदौरुदशबर्णदेहिरी। सानन्दजानिललिताहिले
हिरी ३२ ॥ यथा ॥ बंशीचुराइसुयकन्तमेंगई। कान्हैब
ताइइनकानमेंदई॥ जैसीबिचित्रवृषभानुलाडिली। तै
सीप्रवीनललितासखीमिली ३३ ॥ हरिमुखछन्द ॥ द्विज
वरनन्दजगन्नुनन्दकनों। हरिमुखछन्दभुजंगराजबनों॥
दशअरुतीनिबरणचारुसोहै। षटअरुसातबिरामचि
त्तमोहै ३४ ॥ यथा ॥ बन्धहिनजेमृदुहासपासमाहीं।
बिधतहियेदृगबाणजासुनाहीं॥ धनिधनितेपरमदासदा
कहावै। हरिमुखहेरिजुफेरिचेतुल्यावै ३५ ॥ प्रहर्षिणी ॥ मैं
जानोद्विजवररग्गनोयहैजू। याहीकोप्रहर्षिणीसबैकहै
जू॥ तीनैअरुबिरतिबिचारिपांचपांचो। तीनैअरुद
शअखरानिठीकयांचो ३६ ॥ यथा ॥ पायोतूरिसकरि
कौनसुखराधे। बोरीबैरीसनकौनबैरसाधे॥ तेरीतनुअँ
खियनअश्रुबर्षिणीहै। सौतिनकीजनिउमहाप्रहर्षिणीहै
३७ ॥ तनरुचिराछन्द ॥ लगैलगोद्विजबरगैलगो। भलेअ
लीतनुरुचिफबैलगो॥ त्रयोदशबर्णनिसोप्रभावनी।
बिरामहैलखिनवचारिकोधनी ३८ ॥ यथा ॥ अनेकधा
मनमथवारिडारिये। कितोप्रभामरकतमोंबिचारिये॥
कहांचलैजलधरज्योतिमन्दकी। सकैजुकैतनुरुचिराम
चन्द्रकी ३९ ॥ क्षमाछन्द ॥ नगननगनकनोंजगन्नुगोगो।
बिरतिबरणआठैसरैकहौहो॥ त्रिदशबरणनीकेकरोज
माजू। भुजगनृपतियाकोकहैक्षमाजू ४० ॥ यथा ॥ निज
बशबरनारीसतैजुपालै। मुवितरुणधनीकैभजैगोपालै॥

तबधनिधनिजीमेंकह्योपरैजू। जबसमरथह्वैकेक्षमाकरैजू ४१ ॥ मंजुभाषिनी ॥ सगनोजगन्नुसगनोजगन्नुहै। गसमेतितीनदशईबरन्नुहै ॥ षटसखबीचजतिरीतिराखिनी। मृदुछन्दहोतहैमंजुभाखिनी ४२ ॥ यथा ॥ वहरैनिराजबदनीनिहारिहों। तबदासजन्मसुफलीबिचारिहौं ॥ अँखियांबिशालछबिकञ्जनाखिनी। बतियांरसालमृदुमंजुभाखिनी ४३ ॥ मन्दभाषिनी ॥ ध्वजाध्वजानन्दसगनोलगेलगे। त्रयोदशैबरन्नधरियेपगेपगे ॥ छसातकेबीचबिरामराखिनी। फणीकह्योछन्दसुमन्दभाखिनी४४॥ यथा ॥ सुनोकरैकान्हबरबीनबादको। कियोकरैबांसुरिहुकेनिनादको ॥ बिनासुनेबैनतूअकन्दराखिनी। भलीलगेकोकिलउमन्दभाखिनी ४५ ॥ प्रभावती ॥ तक्कारगोद्विजबरनन्दरागिनो। तीनैदशैचरणनिश्रख्यराभनो ॥ चारैछहैतियबिषरामभावती। याकोकह्योअहिपतिहैप्रभावती ४६ ॥ यथा ॥ कैगोरसीवसनअरुदेहसबको। कीबोकरैदिनदिनग्वारिगर्बको ॥ जोपैनतोतजिउनचित्तभावती। केतीलखीशशिबदनीप्रभावती ४७ ॥ वसंततिलक ॥ कनोंजगन्नुसगनोसगनोपगन्नो। सोहैबसन्ततिलकादशचारिबन्नो ॥ आठैछहैबरणमेंजतिचारुराख्यो। भाष्योभुजंगपतिकोयहदासभाख्यो ४८ ॥ यथा ॥ कारीपलासतरुडारसबैभईहैं। लालीतहांकछुककिंशुककोठईहैं ॥ कैलाजग्योमदनुपावककोबिचारो। आयोबसन्ततिलकाननतोनिहारो ४९ ॥ अपराजिताछंद ॥ नगननगनन्दनंदधुजाधुजा। बिरतिसजातिचारुचारुदुजादुजा॥ चतुर्दशहिबर्णसोंपगअपराजिता। भुजंगभाषितछन्दहै

अपराजिता ५० ॥ यथा ॥ बिनयसुनहिचण्डमुण्डबिनाशिनी। जनदुःखहरिकोटिचंद्रप्रकाशिनी ॥ शरणशरणहैसदासुखसाजिता। द्रवहिंद्रवहिंदासकोअपराजिता ५१ ॥ मालिनीछंद ॥ नगननगनकर्नोयोग्यगनोयगन्नो। बिरतिरचियआठैऔरसातैबरन्नो ॥ सुगनगुनिलैकेहारहीडालिनीहै। सरससुरसबेलीपालिनीमालिनीहै ५२ ॥ यथा ॥ रहतिउरप्रभातेस्वर्णकीकांतिफैली। बिहँसतिनिजआभाफेरिपावैचमेली ॥ सहजहिगुहिमालाबालकेकण्ठमेली। अद्भुतछबिछाकीमालिनीस्योंसहेली ५३ ॥ चन्द्रलेखाछंद ॥ चारयोहाराधुजैकर्नौरग्गनोरग्गनाहै। गोसंयुक्तोदशैपांचैअरुयरापग्गनाहै ॥ चारैचारैमिलेसाततीनिबिश्रामदेखो। भोगीभाषैकहेदशोछन्दहैचन्द्रलेखो ५४ ॥ यथा ॥ राधाभूलेनजानोयोंहैलवन्यानमेरी। जेहातेहातिहारीसीतौप्रभाहैघनेरी ॥ भौंहैएसीकमानेहैंनैनसोकञ्जदेखो। नासाएसोसुआतुरोडेआस्यसोचन्द्रलेखो ५५ ॥ प्रभद्रकछंद ॥ द्विजरगैलगैलपियननन्दनन्दहै। गुरुयुतआठसातबिश्रामबन्दहै ॥ पन्द्रहबरंनपायकरतेअनन्दहै। कहतप्रभद्रकाख्यअहिराजछन्दहै ५६ ॥ यथा ॥ रिसकरिलैसहायकरिदापदांकई। तबहुँनकालदण्डप्रतिबारबांकई ॥ जिमिहिंसुभायभाइप्रियरामभद्रको। दुखहरतादयालकरताप्रभद्रको ५७ ॥ चित्राछंद ॥ जोमैंदीजैआठोहारागोयकारोयकारो। आठैसातैदैबिश्रामोछन्दचित्राविचारो ॥ आठोदीहामाहींजीहाआशुहीदौरिजावै। भोगीभाषैत्योंहीयाकेपाठकीरीतिपावै ५८ ॥ यथा ॥ फूलेफूलेफूले

वारीसेजमेंजोविहारे । शीतेधूपेडाभेंकांटेमेंसुकयोंपाउँ धारे ॥ शोचैभाषैरोवैभूखौकौशल्याऔसुमित्रा । कैसे सेहैदुःखैसीताकोमलांगीविचित्रा ५९ ॥ मदनललिताछंद ॥ चार्योहारानगनसगनोकर्नाभगनुहै । अंतेदीहादशरु रसईवर्नापगनुहै ॥ चारैमेंअरुछहरुछहमेंविश्रामलहि ये । भोगीभाषैमदनललितायोछंदकहिये ६० ॥ यथा ॥ होनेलागीगतिललितऔबातैंललितहैं । हावोभावोल लितमिसरीमानोकलितहैं ॥ कानोलागीललितअति हीदोऊदृगरी । दीन्होआलीमदनललितातोअंगसिग री ६१ ॥ प्रवरललिताछंद ॥ यगन्नीमोआनोनगनसगनो गोयगन्नो । दशैछाहीजाकेचरणप्रतिमेंहोइवन्नो ॥ छहे छाओचारोवरणमहियाहैविरामी । फणिन्दैभाष्योहैप्र वरललिताछन्दनामी ६२ ॥ यथा ॥ तिहारेजोवा सीमिलनहितहैचित्तुसाधा । कह्योमेरोमानोचलोउतही बेगिराधा ॥ जहांगाढीकुञ्जैतरणितनयातीरराजैं । गई ह्यांहोदेख्योप्रवरललितान्हानकाजैं ६३ ॥ गरुडरुतछंद ॥ द्विजवररागनोनगनरागनोरागनो । गरुडरुतेभनो वरणसोरहैंपागनो ॥ विरतिविचारकेहदयसातनवठानि ये । भुजगमहीपकोहुकमदासजोमानिये ६४ ॥ यथा ॥ वृकतकिछागज्योंभजतवृद्धऔबालको । मृगपतिदेखि ज्योंभजतझुण्डशुण्डालको ॥ हरहरकेकहेभजतपापको व्यूहयों । गरुडरुतैसुनेभजतव्यालकोजूहज्यों ६५ ॥ पृथ्वी छंद ॥ जगन्नुसगनाध्वजानगनरागनादोइजू । विरामवसु वर्णमेंबहुरिनौहिमेंहोइजू ॥ चरणप्रतिदासजूवरणसत्र हैंठीकहैं । अहीशखगनाथसोप्रकटछंदपृथ्वीकहैं ६६ ॥

यथा॥ समर्थजनकैमेहूरुरतमन्दजोकाजहैं। विशेषित्य हिपालतेगहन्तछोड़तेलाजहैं॥ लियअजहूँशंभुजूरहत कालकूटैगरे। अजौंउरगनाथजूरहतशीशपृथ्वीधरे ६७॥ मालाधरछन्द॥ नगनसगनाध्वजानगनरग्गनाअत्तरो। भुजंगपतिभाषियोप्रकटछंदमालाधरो॥ विरतिवसुनो कहैंसुकविराजकेगोतजू। चरणगनिलीजियेबरणसत्रहै होतजू ६८॥ यथा॥ युवतिगिरिराजलषणकोगईदूल है। बिकलडरिकैभजीनिरखिशम्भुकोशूलहै॥ उरगत नभूषणोवदनआकंपनैभरे। बसनगजपालकोमनुजमु एडमालाधरे ६९॥ शिखरिणीछन्द॥ पगन्नोमोआनोनगन्न सगनोसोदसगनो। कहैभोगीराजाबरणदशऔसत्त पगनो॥ छविश्रामोपायेबहुरिछहओपंचकरिणी। ग नोचारिउपायेंतबकहहुजूहैशिखरिणी ७०॥ यथा॥ मृगेंद्रेजीत्योहैगतिहिअरुनैनानिहरिणी। सुबेणीहीत्या लैरुचिरगतिहीमत्तकरिणी॥ मिलोमाधवजूसोसुचित्त सजनीक्षैनिडारिणी। हरायेईतेरेबसतसिगरेयाशिखरि णी ७१॥ मन्दाक्रांता यथा॥ चारयोहारानगनसगनोरग्ग नारग्गनङ्गा। मंदाक्रांताभुजगभनितासत्रहैवर्णसङ्गा॥ कीजेचौथेविरतिछठयेफेरिकैसातयोंमें। आकनौंहैसतक विन्हसोदासजूबातयोंमें ७२॥ यथा॥ कोमाधोनीनिल धरणिकोकहाकामनारी। केतीरम्भाविमलछविहैकाति लोत्ताविचारी॥ राधाजूकेमारिसकहियेक्योंनरीजोपिता को। मंदाक्रांताकरेउजिनहैउरबशीमेनकाको ७३॥ हरि णीछंद॥ नगनसगनोकनौंतकारभागनुराधरो। बिरति वसुमैंनोमेंसँभारिकैकरबोकरो॥ बरणदशऔसातहैपाय

मैंचितदैसुनो । फणिराजभाष्योयाछन्दकोहरिणीगुनो ७४ ॥ यथा ॥ लजितकरताजेहै अंभोजखंजनमीनके। बसतनिजजेहीसेंगोपाललालप्रबीनके ॥ फिरतबनमेंवैतो पालेपरेपशुहीनके । प्रियहगनसेकैसेनैनाकहोहरिणीनके ७५ ॥ द्रोहारिणीछंद ॥ चाह्योहारानगरसगनोतक्कारकनोलगे । भोगीराजाभणितदशओहैसातप्रनांपगे ॥ बिश्रामोकेदिशिमुनिन्हकोआनंदद्रोहारिणी । दासोभाषेसुनहुसुकबियोहैछंदद्रोहारिणी ७६ ॥ यथा ॥ मेघादेवीसुचितकरनीआनन्देबिस्तारिणी । प्रायश्चित्तोबहुजनमकोदुण्डाईमेंटारिणी ॥ दोषैखंडीदुरितहरणीसंतापसंहारिणी । राधामाधोचरितचरचासन्द्रोहद्रोहारिणी ७७ ॥ भाराक्रान्ताछन्द ॥ चाह्योहारानगनसगनोजगन्नुजगन्नुगो । भोगीभाषैबिरतिदशऔतिचारिपगन्नुजो ॥ चाह्योपायेगनिगनिधरियेबरणसुसत्रहै । भाराक्रांताकहतजगमेंजुजन्त्रमुनत्रहै ७८ ॥ यथा ॥ नीकीलागैसरसकविताअलंकृतसूनियों । क्रीडामेंज्योंसुखदबनितासुबस्त्रबिहूनियों ॥ नहींभावैअरसकबहूंसुधीनिएकोघरी । भाराक्रांताअभरननिज्योंबिभूषितपूनरी ७९ ॥ कुसुमितलताबल्लिताछन्द ॥ कैपांचोहारामगनसगनोरग्गनागोयदीजै । बिश्रामोपांचैबहुरिछहमेंसातमेंफेरिकीजै ॥ पायँपाऐँमेंसमुभिधरिये बर्णअठारहैजू । भोगिन्द्रैभाष्योकुसुमितलताबल्लिता छन्दहैजू ८० ॥ यथा ॥ बंधूपोबिंबोकमलतिलजूपाटलाऔचँबेली । चंपाकइमीरोघरिहिबिचह्यां फूलिहैंएकबेली ॥ दीजैआयकोसुखहगनिकोंकुंजकेहोबिहारी । बैठोह्यांदेखोकुसुमितलताबल्लिताफूल

वारी ८१ ॥ नन्दनछन्द ॥ दुजबरस्गगनोनगनरग्गनोधुजारा गनो। जतिमुनिमेंभनोछहहुमेंठनोरूपाचेतनो॥ अहिपतियोंकहैचरणपालहैसुअठ्ठारहै।सबदुखकन्दनेसुकबिनन्दनेरच्योज्योंचहे ८२ ॥ यथा ॥ मनुसुनिमोंकह्योचहतजोदस्योबिथाकेगनै । तजिसबआसरेजगतकोकरैएहीतूधनै॥भवभ्रमकोहनैभगतिसोसनैतनेओमनै। यशुमतिनन्दनेगरुड़स्यन्दनेकरहिबंदने ८३ ॥ नाराचछन्द ॥ नगननगनरग्गनोआगेहूतिनिदेरग्गनो । बिरतिनवहिमेंकरोबर्ण अठ्ठारहैपग्गनो ॥ भणितभुजंगराजकोदासभाषैसुतोसांचहे । मदनबिशुखुपांचहैपछ्मोंछन्दनाराचहे ८४ ॥ यथा ॥ परमसुभटहोगन्योभावतीतोहिसोहारियो। निपटबिबशहूगयोहालबंदीदयोडारियो ॥ कबहुँडरतनाहिंजेतेगसोंतोपसोंकोटसों । करतबिकलताहितूनैननाराचकीचोटसों ८५ ॥ चित्रलेखाछन्द ॥ चारयोहारनगननगनगोयगन्नायधारो । बिश्रामोहैचतुरबरणओसातसातेंबिचारो ॥ पायमाहींगनिगनिधरियेबर्णअठ्ठारहैजू । जोभैआनोभुजगनृपातयोंचित्रलेखाकहैजू ८६ ॥ यथा ॥ इच्छाचारीसघनसदनकीयोबनाढ्याअरोगा। भर्त्ताहीनापरमछबिवतीधर्तुनारीसँयोगा ॥ भोगीदातातरुणजननकेपासमेंबालदेखो। तानारीसोसकुलधरमकोराखिबोचित्रलेखो ८७ ॥ सार्दूललिताछन्द ॥ मोआनोसगनोजगन्नुसगनोतक्कारलगनो । बिश्रामोगनिवारहैबरणकोफेरिछगनो ॥ हैअठ्ठारहैबरणदासलखियेचौपायन्नलिता। याकोनामधस्योभुजगपतिहीहैसार्दूललिता ८८ ॥ यथा ॥ सालस्यानैनाउठीपलंगतेपांलागिरबिसों । हींमेतेनच

लीचलीसदनकोऐंडाइछबिसों॥सोहेतेसिगरेसुभांतिबिगरेशृंगारबलिता। बक्ताभोजप्रफुल्लसार्द्धललिताबेनीबिगलिता ८९॥ सुधाछन्द॥ लगोचारोहारानगनसगनोतक्रास्सगनो। छबिश्रमैठानोछपुनिगनिकैतोफेरिछगनो॥ दशैआठैबर्नासुकबिजनकोदातारसिधिको। सुधाबिन्दोछन्दैभुजगचर्णौहैयाहीबिधिको ९०॥ यथा॥ चलैंधीरेधीरेगतिहरतिहैसातेद्विरदकी। उनींदेनैनासोंहरतिअरुणताकोकनदकी॥ किनारीमुक्तासोछबिबदनकीयाभांतिछलकै। सुधाबुन्दैमानोउफनिशशिकैचौफेरिझलकै ९१॥ शार्दूलविक्रीडिताछन्द॥ मोआनोसगनोजगल्लुसगनोकर्नायगल्लोधुनो। हेरोबारहसातमेंचहतहौबिश्राम कोसोधुजो॥ देखेजासुरसालचालपदकीपक्षीरहैब्रीडिते। बर्नाहैवोनईसईशसुनियेशार्दूलबिक्रीडिते ९२॥ यथा॥ राजैकुंडललोलकानशशिकीसोहैललाटीकला। आछेअंगनिपीतबासबिलसैत्योंआँगुलीमेंछला॥ तीखेअस्त्रअनेकहाथगिरिजालीन्हेसहाईडिते। आवैभांतिभलीबढ़ावतिचलीशार्दूलबिक्रीडिते ९३॥ फुल्लदामछन्द॥ हैपांचोहाशनगननगनगोरगल्लागोयजासे। पाय्येमेंबर्नादशअरुपावशोजानियेफुल्लदामे॥ बिश्रामोपांचोपुनिमुनिमहिआसातमेंफेरिदीजै। फैलापोथाकोभुजगनृपतिहीदासजूजानिलीजै ९४॥ यथा॥ ब्रह्माशंभुस्योसुरमुनिसिगरेध्यावतेजासुनामै। जाकेजोरेकोसुनियतकतहूंबीरदूजोधरामैं॥ ताहीकोगोपीबिवशकरतिहैंनयनआरक्ततामैं। टेढ़ीभौहौंबियकरगहिकैमारतीफुल्लदामैं ९५॥ मेघविस्फूर्जितछन्द॥ यगल्लोमोआनोनसनगग

नोरग्गनोरग्गनोगो । जहांपायेपायेवरणसिगरोवोनईसै गनोहो ॥ छविश्रामोलैकैबहुरिछहऔसातसोंपूजितोहै । याहीछन्दोभाष्योभुजगनृपतिकोमेघविस्फूर्जितोहै ९६ ॥ यथा ॥ थक्योंहैबासन्तीपौनबहिऔकोकिलाकूकिहारी । निशानाथोहास्योहननहितुकैचन्द्रिकातीक्ष्णभारी ॥ न आवैगोप्यारोकरतिसखितूबादिसन्देहबौरी । सहैगोनीकीहीकठिनहियराभेघविस्फूर्जितौरी ९७ ॥ छायाछन्द ॥ यगन्नामोआनोनगनसगनोकनौंलगैगोलगै । विरामैदेछा मैबहुरिछहऔसातैसुनीकोलगै ॥ गनोयाभेंवर्नादश अरुनवईपायेपायेबन्दुहै । फणीराजाबाणीच्चितुवरहितोछायायहीछन्दहै ९८ ॥ यथा ॥ लियोहाथैवंशीवसनपहिर्यो गोपालकोआपुही । नजानेक्योंपायोवर्णवहईकैशीशज्यों जापुही ॥ हँसैबोलैमानोकरतिअबहींक्रीड़ाहिविस्तारसी । यकान्तामेंकांतालखतिनिजयोंछायालियेआरसी ९९ ॥ सुरसाछन्द ॥ चस्योहारायगन्नानगननगननन्दअगनो । सातोविश्रामकैकेपुनिकरिमुनिऔपञ्चगनो ॥ ठानीजयदासआछोदशनवअरणोएकचरणो । भाषैश्रीनागराजाइहिबिधिसुरसाछन्दतरणो १०० ॥ यथा ॥ यानैदासैअकेलैपवनतनयकेनामफलको । नींदैजाकेमरोसेकलिकमलकोदुक्खदलको ॥ फालैजानैपयोदैकिहिनकिजिहिकोगाइसुरसा । जानैबुध्योबड़ाईबिनयलघुतई एकसुरसा १०१ ॥ सुधाछन्द ॥ यगन्नामोआनोनसानतगनगोगोयगानो । छविश्रामैठानोमुनिपुनिकरिकैसातइकठानो ॥ गनोपायेपायेगुरुलघुमिलिकैवर्णहैंदासवीसै । सुधाश्रीकोनामैमधुरसमुझिकैश्रापुरास्यो

अहीसै १०२ ॥ यथा ॥ बसैशम्भुमाथबिमलशशिकला
पेलिह्यांतेकढ़ीहै । मेरेहू जाणीकोअमरकरतिहैसांचुयां
तेबढ़ीहै ॥ कहैयाकोपानीगुनगनननकोदास जान्योनजा
को । सबैसीरोसोलेसुरसरिमहिआंस्वच्छसांचोसुधा
को १०३ ॥ सर्वबदनाछन्द ॥ कर्नोकर्नोयग्गन्नोद्विजवरस
गनो । ठानोबिश्रामसातोपुनिमुनिरसहैबिश्रामपगनो ॥
बर्नाबीसैसँवारोचरणचरणमेंआनन्दसदनै । भोगीश
जाबखान्योसकलबदनसीहैसर्वबदनै १०४ ॥ यथा ॥
पूजाकीजैयशोदाहरिहलधरकोमोमोगुनतिहो । बांधो
मारोवृथाहीइनकोअपनोजायोगुनतिहो ॥ पालेमारेउ
पजावैसकलजगतयहहैदैत्यकदनै । थाकेजाकेबखानैकर
तसरस्वतीस्योसर्वबदनै १०५ ॥ स्रग्धराछन्द ॥ त्यास्यो
हारायगन्नाद्दुबरसगनोरग्गनाद्वैबिराजै । दीजैताअन्त
हारोमुनिमुनिमुनिमेंतीनिबिश्रामभाजै ॥ दीन्हेंबर्नाइकी
सचरणचरणमेंभाँतिकोवृन्दभाजै । भाष्योभोगीशजू
कोसकलछबिभयोस्रग्धराछन्दछाजै १०६ ॥ यथा ॥
मनोसिहोमयूरोडमरुबृषभओठ्यालहैंसंगसाही । ता
केहैएकएकैअशन करनकोपावतेघातनाहीं ॥ जागेहैभै
बिचाखोकुशलरहतिहैशम्भुजूकेघरैमें । माथेपियूषधा
रीशुभशिरनिकोस्रग्धरेहैगरेमें १०७ ॥ सरसीछन्द ॥
नगनजगनदुनन्दभगनोसगनोसगनोलगेलगे । बिर
तिबिबेकएकदशमेंकरियेपगेपगे ॥ बरणएकीसदासद
रसीदरसीदरसीरसीरसी । तिरतिसुबुद्धिछन्दसरसी
सरसीसरसीरसीरसी १०८ ॥ यथा ॥ भँवरसुनाभि
कोककुचहैत्रिबलीबिमलीतरंगहै । द्विभुजमृनालजा

निकरकोकमलैकहियेसुरंगहै ॥ लहतकपोलकम्बुस
रिकोअँखियाँभ्रूखियाँअनूपहै । चिकुरसेवारस्रूपजल
जूवनितामरसीस्वरूपहै १०६ ॥ भद्रकछन्द ॥ गोसगनोज
गल्लुसगनो जगल्लुसगनोजगल्लुसगनो । चारिनिदैविरा
मछगनोवहोरिछगनोवहोरिछगनो । ब्राइसहीविचारिम
नमेंचहूंचरणमेंधर्योवरणमें । भद्रकहैरसाकरणमेंगु रा
गरनमेंसुन्योकरणमें ११० ॥ यथा ॥ कीजियेजूगोपाल
अरचागोपालचरचासदाहिसुनिये । मेटनकोमहाकलु
षकोदरिद्रदुखकोनऔरगुनिये ॥ जाहिरहैंसुरासुरनिल
हूगुरनिमेंचराचरनिमें । भद्रकहैयहीअरनमेंयहीटरनमें
यहीपरणमें १११ ॥ अद्रितनयाछन्द ॥ पियसगनोजगल्लुस
गनोजगल्लुसगनोजगल्लुसगनो । जतिसरदैवहोरिछगनो
वहोरिछगनोवहोरिछगनो ॥ गनिगनिकैत्रिवीसमनमेंच
हूचरणमेंधर्योवरणमें । गुनिगुनिकैजुअद्रितनयासु
अक्षरनमेंकह्योशरणमें ११२ ॥ यथा ॥ घटघटमेंतुहीवसति
हैतुहीवसतिहैस्वरूपमतिके । तुअमहिमाअसीरहतिहैस
दाहृदयमेंत्रिलोकपतिके ॥ निजजनकोबिनाभजनहूकले
शहननीबिथानिहननी । जयजयश्रीहिमाद्रितनयामहे
शघरनीगणेशजननी ११३ ॥ भुजङ्गविजृम्भितछन्द ॥ चारोहा
राचारोहारादुजवरदुजसगनोजगल्लुजगल्लुगो । आठमें
लेतोविश्रामेपुनिबिरमनएकदशमेंकरोपुनिसातहो । पा
रामेंछव्वीसैवर्नावरणितभुजगन्हपतिकोसुखाकरहैकितो ।
याकेनामेजानोचाहो चितुदैसुनोवचनतोभुजंगविजृम्भित
तो ११४ ॥ यथा ॥ साधूमेंसाधत्वैपैराहुविविधिविनयकरत
हूंनिरादरकीनेहूं । जैसेधेनुदुग्धैदेतीकटुतिनअमितचर

तहूंगुड़ादिकदीनेहूं ॥ संदेसोमन्दीयेहोतीजबतबजगत बिदितहैउपायकरोकितो । जैसेमिश्रीक्षीरैप्यायेबिसमय इवसनबहतहैभुजंगबिजम्भितो ११५ ॥ इतिश्रीदासकृतेछन्दोर्णवेवर्णवृत्तश्लोकरीतिवर्णनंद्वादशस्तरंगः १२॥

अथअर्द्धसमवृत्ति ॥ दोहा ॥ पहिलोतीजोसमचरणदूजो चौथसमान । करोअर्द्धसमछन्दमेंइहिंबिधिवृत्तिसुजान १ ॥ पुहपतिअग्रछन्द ॥ दुजवररागनोयगन्नो । दुजवरनन्दजगन्नुगोयगन्नो ॥ पुहपतिअग्रछन्दबनों । बिषमदशैत्रिदशैसमेतिबनों २ ॥ यथा ॥ फिरिफिरिभ्रमिकैकहैनवेली । बिधियहकौनप्रकारचेमली ॥ रंगधरतिकनैलपाखुरीके । छुवतिजिपुष्पतिअग्गआँगुरीके ३ ॥ उपचित्रकछंद ॥ सगनासगनासगनालगो । भागनुभागनुभागनुकनों । अखराचहुपायनिग्यारहे । छन्दयहीउपचित्रकबनों ४ ॥ यथा ॥ नउठैंकरजासुसलामसोबातकहैमिलऊतरनाहीं । नकरोदुखमानबजानिकैमित्रसुहैउपचित्रकमाहीं ५ ॥ वेगवतीछन्द ॥ सगनोसगनोलयगन्नो । भागनुभागनुभागनुकनों । बिषमेदशबर्णप्रपन्नो । वेगवतीसमग्यारहवन्नो ६ ॥ यथा ॥ मिटिगोअधरारंगक्योंहै ॥ बाढ़िगईबक्रबादघरीहै ॥ सिगरोतनस्वेदसनोहै । तोडरआवतवेगवतीकै ७॥ हरिणलुसछन्द॥ बिषमेंअखराइकहीनहैं । सुनिसुन्दरिपायनिलीनहैं ॥ भनिपन्नगराजप्रवीनहैं । हरिणलुप्तसुछंदनवीनहैं ८ ॥ यथा ॥ ब्रजकीबनितालखिपाइहैं । इकहीकीइकईसलगाइहैं ॥ मगरोकनिकीसजिवानिको । हरिनलुप्तकरोकुलकानिको ९ ॥ अपरवक्त्रछन्द ॥ दुवरसगनाजगन्नुगो । दुजवरगोसगनाजगन्नुगो ॥ शिवरबिअखरानिराखियो । सु

अपरचक्रभुजंगभाषिद्यो १० ॥ यथा ॥ व्रजपतिइकचक्र कौघस्यो। त्रिभुवनकोनिजहाथमेंकस्यो ॥ तुअवशाशु भयोंविशेषिकै। तियविय चक्रानितम्बदेखिकै ११ ॥ सुंदरछन्द ॥ सगनासगनाजगनुगो। सगनाभागनुरग्ग नालगो॥ विषमेंअखगन्दसौधरो। समपदग्यारहछंदसुं दरो १२ ॥ यथा ॥ पढ़िकैहढ़मोहनमंत्रको। सजनीशोधि शिंगारतंत्रको ॥ रचनाविधनाअनंगकी। सुखमासुंदर श्यामअंगकी १३ ॥ द्रुतमध्यकछंद ॥ भागनुतीनिगुरूविय दीजै। पुनिदुजभागनुगौलयकीजै॥ ग्यारहबारहआखर पाये। कहिद्रुतमध्यकछन्दसुभाये १४ ॥ यथा ॥ कौतुक आजुकियोवनमाली। जलविचकूदिपरेउसुनिआली ॥ नाथिफणिन्द्रहिंतोषफनिन्दी। प्रकटभयोद्रुतमध्यकलि न्दी १५ ॥ दुमिलासुखमदिरासुख ॥ दोहा ॥ समममदिरादुमि लाविषम द्रुमिलादुखपहिंचानि। उलटिसुमदिरासुख कहै इहिविधिऔरोजानि १६ होहिंविषमचारोंचरण विषमवृत्तिहैसोइ। वेदनिबीचप्रमाणनहिंभाषाबरणेको इ १७ ॥ इतिश्रीदासकृतेछन्दोर्णवेअर्द्धसमविषमछन्दव र्णनंनामत्रयोदशस्तरंगः १३ ॥

अथमुक्तकछंदवर्णन ॥ दोहा ॥ अक्षरकागणतीयदाकहुँकहुँ गुरुलघुनेम॥वरणछन्दमेंताहिकबिमुक्तककहैंसप्रेम १ ॥ श्लोकतथा ॥ अनुष्टुपछन्द ॥ चारिआगेधुजाएकैदूसरेद्वैधुजा थपो। आठआठचहुँपायेश्लोकनामअनुष्टुपो २ ॥ यथा ॥ जनदीनदुखीकरताहरताभयभीरको। लोकतीनिहुँमेंफै लयौश्लोकश्रीरघुवीरको३ ॥ गथाछन्द ॥ दोहा ॥ प्रथमचरण सत्रहवरणद्वितियअठारहआन। योटीनीजोचौथऊगं

धाछंदवरनानु ४ ॥ यथा ॥ सुंदरितूकरोंपहिरतिनगभूषण आसावली । ननद्युतितेरीसहजहीमशालप्रभावली ५ चोवाचंदनचंद्रकेचाहेकहालड़ावली । तेरेवातकहतको सकलोंफेलेसुगंधावली ६ ॥ घनाक्षरीछन्द ॥ दोहा ॥ वसुवसु वसुमनिजनिवरण घनाक्षरीयकतीस । चौवसुरूपघनाक्षरी वत्तिसगन्योफणीस ७ ॥ यथा ॥ जवहींतेदासमेरीनज रिपरीहैवहनवहींनेदेखिवेकीभूखमरसतिहै । होनलग्यो वाहेरकलेशकोकलापउरअन्तरकीताप छिनहींछिननस तिहै ॥ चलदलपातसेउदरपरराजीरोमराजीकीवनक मेरेमनमेंवसनिहै । शृंगारमेंस्याहीसोंलिखीहैनीकीभां- तिकाहूमनोयन्त्रपांतिघनअक्षरीलसनिहै ८ ॥ रूपघनाक्षरी छंद ॥ दरशिपरशिवहनापकोहरतवहप्रमदाप्रवीणानिको मोहिनकरतप्रान । वहवरसावैहियप्रेमरसबूँदनिकोवह मनुवेभावेचूकतनजगजान ॥ चारुचारुविधिकोवि लोकिगुनचारिहूमेंतवदासप्यारेसेंविचारेउचारेउ उपमा न । वदनसुधाधरअधरविम्बमेरीआलीस्वच्छतनरूप घनअक्षरीप्रवलवान ९ ॥ वर्णकुण्डलाछन्द ॥ दोहा ॥ कहूँसगन कहुँयगनहै चौविसवरणप्रमान ॥ गुरुद्वैराखितुकंतमेंवर णकुण्डलाठान १० ॥ यथा ॥ अरीपानिपीवैनहींपानिखी वैनहींवासअरुवसनराखैननेरो । भरेउप्राणकेऐनमेंनैन मेंवैनमेंहैनगुणरूपअरुनामतेरो ॥ विरहवशऐसेहीहैवहौ कैमहींराखिहैकैनहींप्राणमेरो । नितदासजुयाहिसँदेहके भूलनाभूलतीचित्तगोपालकेरो ११ इतिश्रीदासकृते छंदोर्णवेमुक्तकछंदवर्णननामचतुर्दशस्तरंगः १४ ॥

अथदंडकभेद ॥ दोहा ॥ द्वैनसातयग्गनरचित दण्डकचर
णनिदेखि।चरणचरणनवसगनमयकुसमस्तवकबिशेखि
१ प्रचितदंडक ॥ जयतिजैसुखदानीअबिद्यानिदानीसुबिद्या
निधानीररैवेदबानी।शरणतुवशरणबानीमहेन्द्रीमृड़ानी
दयाशीलसानीतिहूंलोकरानी॥धनिजगततरांहिंबखानीव
हैभाग्यमानीवहीसन्तजानीवहीधीरज्ञानी।प्रचितकहत
जुप्रानीनमस्तेभवानीनमस्तेभवानीनमस्तेभवानी २॥
कुसमस्तवकदण्डक ॥ सखिशोभितश्रीनँदलालभयेनिकसेव
नतेबनितागनसंगजबै। हरिसाथउरोजवतीनिकेहाथ
नियाहिप्रभाहिंधरेगुलदस्तफबै ॥ हरिजूकेहराइबेकोब
हुतीरतलासकरोअनुमानिकैदासअबै। चितपायतले
लेमिलीहैमनोकुसमस्तवकैकुसमयखक्रीसैनसबै ३॥ अनं
गशेषरदण्डक ॥ दोहा ॥ चारिदशैकेपन्द्रहै कैसोरहुधुजपाइ।
लखिअनंगशेषरकहो दण्डकभोगीराइ ४॥ यथा ॥ त्रि
लोकिराजभवनकेबनाउकोबिधातउअमैनदासचित्तधीर
कैसेहूधरेरहैं। तहांघरीघरीगोपालवृन्दवृन्दसुन्दरीन
जाइजाइसंगलैतमालसेअरेरहैं॥ परेविचित्रछाहैवेज
हांछजेजराउसेसमूहआरसीनिकेदिवालमेंजरेरहैं। प्रभा
निहारिकान्हकीछकेसकैनछांड़िसंगसेनस्योचहूँदिशाअ
नंगसेखरेरहैं ५॥ अशोकपुष्पमंजरीछन्द ॥ दोहा ॥ यामेंपन्द्रहव
र्णहैं अन्तगुरूसोकाम। तादंडकहिअशोकयुत पुष्पमंज
रीनाम ६॥ यथा ॥ ऊभिऊभिइवासलेतचोसजोटरेउकहूं
टरैनकालरातिसीकरालआइशर्वरी।दासईशओसलपत
लसीलगैशरीरसर्पइत्राससीलगैबयारियांघरीघरी ॥ रा
वरेबियोगरामसुक्खदानि बस्तुसर्वदुःखदानिसीयकोप

कुंकुहीदईकरी।भानुसोहिमांशुभोकृशानुसोसरोजपुंजशो कभूरिकोभरैअशोकपुष्पमंजरी ७ ॥ त्रिभंगदण्डक ॥ दोहा ॥ पंचविप्रभागनुदुगुरुसदोनन्दगोठाउँ।चरणचरणचौंति सबरण बरणात्रिभंगीगाउँ ८॥ यथा॥सजलजलदजनुलस ताबिमलतनुश्रमकनत्यों झलकोहैंउमागोहैंबुंदमनोहैं।भु वयुगमटकनिफिरिफिरिलटकनि अनमिषनयननिजोहैं हर्षोहैंहैंमनमोहैं ॥ पगिपगिपुनिपुनिखिनखिनसुनिसुनि मृदुमृदुतालमृदंगीमुरचंगीझांझडपंगी । बरहिबरहध रिअमितकलनिकरिनचतअहीरनसंगीबहुरंगी लालत्रि भंगी ९ ॥ मत्तमातंगलीलाकरदण्डक ॥ दोहा ॥ पायकरोनौरग नतेचौदहलोंचितचाहि।नाममत्तमातंगकोलीलाकरक हिताहि १० ॥ यथा ॥ पाइविद्यानिकोछन्दजूभारतीलया इसानन्दजूमानुषीकृत्तिसोवृन्दजूछन्दछीलाकरैतोकहा। ह्वैमहीपालकोमोरआखेटमेंसांझह्वैभोरलोलीनकरसीन कीदौरपक्षीलजीनकरैतोकहा ॥ शुभ्रशोभासबैअंग मेंसुन्दरीसर्वदासंगमेंलीनह्वै रागऔरंगमेंनृत्यकीलीला करैतोकहा । जोनहींठानिकैतत्तुभौरामलीलाहिसोरत्त तोबाहरेसैकरैमत्तमातंगलीलाकरैतोकहा ११ ॥ अथ दण्डकभेद ॥ कुण्डलिया ॥ दोइनगनकरिसातई रगनदेहु प्रतिपाइ। चण्डवृष्टिप्रयातयों दंडकरचोबनाइ ॥ दण्ड करचोबनाइ आठरग्गनकोअर्नो । नौअर्नोदशब्याल रुद्रजीमूतहिबर्नो ॥ लीलाकरबारहउद्यामतेरहैंकहो इन । दासचतुर्दशशंखसबनिशिरचाहियदोइन । ए कैकबितबनाइकैगणगणपरतुकल्याइ । दासकहैयोंआ ठऊउदाहरणदरसाइ १२ ॥ यथा ॥ शरणशरणहीसदात

हिकीनोकृपासिंधुगोपालगोविन्ददामोदरो विष्णुजूमाधवोश्यामजूऔस्वभूसुक्खदासनुहैदासको । सदयहृदयह्वैहमैंपालिहैआपनोजानिकैसोइविश्वेशविश्वंभरो विष्णुजूराघवोरामजूऔप्रभूदुक्खहाहर्नहैत्रासको । सुयशविदितजासुसंसारकेबीचमैंसर्बदाईशहैदेवदेवेशको धसैंहैपालिबोज्याइबोमारिबोजोगनोहैचहूवेदमें । भजनकरियचित्तमेंताहिकोनित्यहीदानिहैसिद्धको लोकलोकेशको कर्महैघालिबोज्याइबोतारिबोसोभनोक्योंलहोभेदमें १३ ॥ दोहा ॥ छंदनिदोहरोचौहरो करिनिजबुद्धिविवेक।मनरोचकतुकआनिकै दण्डकरचोअनेक ॥ रागनकेवशकीजिये ताहिप्रबंधबखानि । छंदलियेसोपद्यहै गद्यछंदबिनजानि॥ग्यारहतेछब्बीसलगिबरणदुपदतुकएक।सोशिरदैवहुछंददल परेप्रबंधविवेक॥ भेदछंददंडकनिको दोऊपारावार।बरणनपंथबताइये दीन्होंमतिअनुसार॥ सत्रहसैनिन्नानबे मधुबदिनवैकबिंदु।दासकियोछंदोर्णव सुमिरिसांवरोइंदु ॥ घनेदिननकोग्रंथयह बिगरयोहतोबनाइ । ताहिसुधारयोशुद्धकरि दुर्गादत्तचितलाइ॥ आदौजैपुरनगरको अबकाशीमेंबास। भाषासंस्कृतदुहुनमेंराखहुँअतिअभ्यास ॥गौड़द्विजवरजाहिरो दुर्गादत्तसुनाम । प्राचीननकेग्रंथको शोधेहुचारोयाम ॥

इतिश्रीदासकृतेछंदोर्णवेदण्डकभेदवर्णनंनाम पंचदशस्तरङ्गः १५ ॥

इतिपिंगलग्रन्थभिषारीदासकृतसम्पूर्णम् ॥

श्रीनवलकिशोर (सी,आई,ई.) के छापेखाने में छापागया
नवम्बर सन् १६०२ ई० ॥